

ब्रिक्स सम्मेलन: दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजाम के लिये 15 हजार से अधिक कर्मी किये जा रहे तैनात

**12 और 13 सितंबर को
भारत मंडपम में आयोजित
किया जाएगा ब्रिक्स शिखर
सम्मेलन..**

नयी दिल्ली, (भाषा)।
दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में करीब 15,000 कर्मकें और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां तैनात की जायेंगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा प्रभाग) मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनता को कम से कम असुविधा और गणमान्य व्यक्तियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

अग्रवाल ने कहा, हमने यातायात व्यवस्था के संबंध में अग्रिम परामर्श भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस सम्मेलन के लिए कई एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और सभी चर्चित मामों का व्यापक सर्वेक्षण पहले ही किया जा चुका है। विशेष आयुक्त ने कहा कि कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर जवानों की तैनाती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा, होटलों और निर्धारित अन्य स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है जहां गणमान्य व्यक्तियों का दौरा हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में सतर्कता एवं मजबूत उपायों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

की गई है। उन्होंने कहा कि निर्बाध सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और गणमान्य व्यक्तियों की आवाजही के दौरान समन्वय के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बैठकें भी की गई हैं।

अग्रवाल ने कहा, «खुपिना जानकारी को सबंधित एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा।» उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा विशेषार्यों के तहत सभी उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि बल शहर में सुरक्षा आवश्यकताओं और लोगों की दैनिक आवाजाही के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को भारत मंडप में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बुधवार को कहा था कि विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और गणमान्य व्यक्तियों की आवाजाही से जुड़े यातायात प्रतिबंध 10 सितंबर से शुरू होंगे और लगभग 14 सितंबर तक जारी रह सकते हैं। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि नयी दिल्ली क्षेत्र में 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली (एफभाएसए) वाले कैमरे और वाहन नंबर प्लेट दंड करने वाले कैमरे शामिल हैं। ये सभी एक निगरानी कक्ष से जुड़े रहेंगे।

नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने कहा, "हम आतंकवाद रोधी और सुरक्षा दृष्टिकोण से निपट करि सभी कानून-व्यवस्था को स्थिति से सहमत के लिए तैयार हैं। हम खुबियाँ सूचनाओं के मामले में पूरी तरह से तैयार हैं। सभी आवश्यक सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए गए हैं। हम कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। दिल्ली पुलिस और अहम सैनिक बलों द्वारा रिज सहित कई हिस्सों में तलाशी अभ्यास भी आयोजित किया गया है। एवम अन्य पुलिस

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस खुफिया जानकारीयों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, तथा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, सभी लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि जनता को असुविधा न हो। व्यवस्थाओं के व्यापक पैमाने के कारण कुछ यातायात परामर्श जारी हैं और अस्थायी प्रवृत्त लगाए जा रहे हैं, दिल्ली पुलिस ने पहले से ही अग्रिम परामर्श जारी करना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने यह भी कहा कि सम्मेलन के मुख्य स्थल भारत मंडपम में आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र के साथ-साथ सतर्कता और निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसी तरह की व्यवस्था उन होटलों में भी मजबूत की गई है जहाँ विदेशी गणमान्य लोग ठहरेंगे। उन्होंने कहा कि गणमान्य लोगों की आवाजहीन पर लगातार नजर रखी जायेगी और उनके कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा, यातायात संबंधी व्यवस्थाओं में जल्दी बदलाव किए जाएंगे।

दिल्ली पुलिस को जी20 शिखर सम्मेलन समेत कई बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को सम्भालने का अनुभव है। पुलिस ने ऐसे आयोजनों की तैयारियों के लिए कई सरकारी एजेंसियों के साथ व्यापक स्तर पर समन्वय अभ्यास भी किए हैं। इनमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, एनएसजी, आसुचना ब्यूरो और सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ-साथ अन्य संबंधित एजेंसियां शामिल रही हैं। वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) के क्राफ्ट्स की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए प्रमुख चौराहों और महत्वपूर्ण मार्गों पर यातायात कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

दिल्ली में 3 पीजी इमारत 'असुरक्षित'

नयी दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा चलाए जा रहे सूरक्षा सर्वेक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में 'पेंडिंग-गेस्ट' (पीजी) आवास की तीन इमारतें 'असुरक्षित दिखाई दीं' हैं, जिनमें फिजहाल 69 लोग रह रहे हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने पिछले चार दिनों में 111 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है और 88 संपत्तियों को सील कर दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि निगम को नौ अन्य इमारत भी मिली हैं जिनमें बड़े पैमाने पर मरम्मत की आवश्यकता है। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को एक पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने से सात लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यह सर्वेक्षण शुरू किया गया था। इस सर्वेक्षण के तहत अब तक राष्ट्रीय राजधानी में 1,355 पीजी इमारतों को शांमिल किया गया है। बाहर से देखने पर असुरक्षित दिखाई दीं तीनों इमारत साउथ जोन-एक में चिह्नित की गई हैं, जहां सर्वेक्षण अब भी जारी है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरे, वेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाऊस मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोविया 9890696201

जय श्रीराम

11 SEP

मा.श्री.
रेखलाल भाऊ टेंभरे

आपणास
वाढदिवसाच्या हार्दिक
शुभेच्छा..!

शुभेच्छुक : सर्व मित्र परिवार गौरगांव

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

दैनिक जगप्रेरणा की गोदिया में स्थित प्रेस यूनिट व कार्यालय में आज 10 सितम्बर को बालाघाट नगर पालिका अध्यक्ष एवं भाजपा नेत्री श्रीमती भारती एवं सुरजीत सिंह ठाकुर व दिनेश बिवेदी का आगमन हुआ, इस दौरान उन्होंने प्रेस से संबंधित कार्यों को जाना.. चित्र इसी अवसर का..



जीवेत शुद्ध श्रुतम









वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति..

मा. किरणभाई त्रिवेदी जी

जिला कोषाध्यक्ष - भाजपा,
अध्यक्ष - पूज्य सर्व ब्राह्मण समाज
संरक्षक - नूतन कला निकेतन,
अध्यक्ष - हॉकी, बालाघाट

आपको **जन्मदिन** की
हार्दिक शुभकामनाएं..



शुभेच्छु

**समस्त भारतीय
जनता पार्टी
बालाघाट जिला**

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदत्त तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियां सुधारी जाती है।

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS, मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

बालाघाट जिले में बैगा अंचल के विकास को मिलेगी रफ्तार.. मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह

छात्रावासों से लेकर बैगा बस्तियों तक बदलेगी व्यवस्था

जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने ली अधिकारियों की बैठक



जिले में खुलेगा बैगा मार्ग

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने 10 सितम्बर को बालाघाट प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर जनजाति क्षेत्रों के विकास के संबंध में निर्देश दिये। बैठक में विधायक श्री गौरव सिंह पारधी, श्री संजय उडके, श्री मधु भगत, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर भी उपस्थित थी।

इस बैठक में जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, भोपाल से स्वास्थ्य आयुक्त श्री एस धनराज एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थी। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि बैगा जनजाति बहुल क्षेत्रों में नर्सिंग स्टाप एवं बाल विकास परियोजना से संबंधित कोई भी पद खाली नहीं रहना चाहिए, इन पदों की 15 दिनों के भीतर पूर्ति की जाए। उन्होंने बताया कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा बैगा जनजाति के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा तीनों विकासखंड एक-एक एम्बुलेंस उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इसका प्रस्ताव जनजाति कार्य विभाग को प्रस्तुत करने कहा। मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि बैगा जनजाति की बस्तियों में आने जाने के रास्ते पक्के बनाये जाएं और एक भी बैगा बस्ती पहुंच बिहिन नहीं रहेगी। सभी बैगा बस्तियों में सीमेंट-कांक्रीट सड़क बनाये जाएंगे। बैगा जनजाति के लोगों को प्रधानमंत्री आवास के लिए 2.5 लाख रुपए दिये जा रहे हैं और बैगा बस्तियों में बिजली, पानी की सुविधा अनिवार्य रूप से रहेगी।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि शहरों में संचालित मॉल की तर्ज पर बैगा बहुल क्षेत्रों में 'बैगा मार्ग' खोलने की दिशा में जनजातीय कार्य विभाग काम कर रहा है। प्रथम चरण में खण्डवा, मण्डला, शहडोल एवं धार में ट्राइबल मार्ट खोले जा रहे हैं। इसी तर्ज पर बालाघाट जिले में भी बैगा मार्ट खोला जाएगा। इसका संचालन स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जाएगा और उसे मार्ट खोलने के लिए 05 करोड़ रुपए का ऋण एवं 05 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिलाया जाएगा। इस मार्ट से जनजाति क्षेत्र के ग्रामों के युवाओं को जोड़ा जाएगा और उन्हें इस मार्ट से 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर सामग्री उपलब्ध करायी जाएगी, जिससे जनजाति क्षेत्र के युवा स्थानीय स्तर पर सरसती सामग्री बेच कर स्वयं के लिए भी आय का जरिया तैयार कर सकेंगे। इन मार्ट में बैगा जनजाति के लोगों के लिए कपड़े एवं अन्य आवश्यक सामग्री सरसती दरों पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजाति क्षेत्र में हितग्राहियों को 02 माह का राशन एकमुश्त निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से वितरित किया जाए। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक उचित मूल्य दुकान के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाड़ी की सेवाओं को प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी में दर्ज सभी बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति होना चाहिए। जो बच्चे आंगनवाड़ी में नहीं आ रहे हैं उनके हिस्से का खाद्यान्न वापस करने वाली कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक को प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर शिक्षा व भोजन व्यवस्था की..

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बैठक में बताया कि जिले के जनजाति वर्ग के छत्र छात्राओं के लिए संचालित छात्रावास की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। छात्रावास के सभी बच्चों का माह में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रत्येक बच्चे का हेल्थ कार्ड बनाना सुनिश्चित किया जा रहा है। छात्रावास अधीक्षक रात्रि में छात्रावास में ही रहे, इसकी मानिट्रिंग की जाएगी। छात्रावास में नहीं रहने वाले अधीक्षक को अगले दिन ही कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। छात्रावास में सुबह और रात के समय दिये जाने वाले भोजन के साथ छात्रावास अधीक्षक को सेल्फे लेकर वरिष्ठ अधिकारी को भेजना होगा। छात्रावास में हर माह पालको की बैठक आयोजित करना होगा। प्रत्येक छात्रावास में बच्चों की कोचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। छात्रावास के बच्चों का परीक्षा परिणाम 33 प्रतिशत से कम आने पर अधीक्षक को हटा दिया जाएगा। सभी छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में बेड होना चाहिए। किसी भी पलंग पर 02 बच्चें नहीं रहेंगे। सभी छात्रावासों में वाटर प्यूरिफायर की व्यवस्था रहेगी। छात्रावासों में बिजली की सुविधा के लिए सोलर पेनल लगाने विभाग द्वारा 200 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए हैं।

छात्रावासों की निगरानी के लिए जनप्रतिनिधि व अधिकारी होंगे संबद्ध

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बताया कि प्रत्येक छात्रावास पर निगरानी के लिए क्षेत्र के एक-एक जनप्रतिनिधि को छात्रावास आवंटित किया जाएगा, जिसमें वे सप्ताह के एक दिन जाकर बच्चों के साथ संवाद करेंगे। इसी प्रकार जिला प्रशासन द्वारा भी प्रत्येक छात्रावास के लिए एक अधिकारी संबद्ध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा विकासखंड में 07 सांदीपनि विद्यालय के प्रस्ताव तैयार किये गए हैं। उन्होंने सांदीपनि विद्यालय के 20 किमी की परिधि के बच्चों के स्कूल आने के लिए बस का टेण्डर करने के निर्देश भी दिये। जनजाति कार्य विभाग द्वारा कॉलेज पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए अलग से बसों की व्यवस्था भी करने कार्य योजना बनायी जा रही है। इसमें बैहर क्षेत्र को भी 10 बसें मिलने की संभावना है। बैठक में मुख्य वन संरक्षक श्री गौरव चौधरी, कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, वनमण्डलाधिकारी श्री नित्यानंदम एल, श्री रेशम सिंह धुर्वे, जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री नरोत्तम वरकडे, श्री सुधांशु वर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संगठन मजबूती को लेकर बालाघाट भाजपा नगर मंडल की हुई कार्यसमिति बैठक



सेवा संकल्प अभियान की बनी रणनीति, होंगे माहमर आयोजन

जगप्रेरणा बालाघाट। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बालाघाट की कार्यसमिति बैठक सह सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला जिला भाजपा कार्यालय में नगर अध्यक्ष राकेश सेवईवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मंडल की संगठनात्मक समीक्षा, बूथ सशक्तिकरण और आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले माहमर के 'सेवा पखवाड़ा' के कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से रणनीति बनाई गई। संगठन मजबूती व बूथ सशक्तिकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार। संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा कर आगामी पार्टी कार्यक्रमों, बैठकों की नियमितता और

कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष राकेश सेवईवार ने कार्यसमिति की प्रस्तुतना रखी। आशय की जानकारी भाजपा नगर मंडिया प्रभारी अभिषेक मिश्रा ने दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत कई सामाजिक व जनहितकारी गतिविधियां संचालित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें राकटदान एवं स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण, एक पेड़ माँ के नाम। सेवा सेतु व आंगन मिलन सेवा, बूथ स्तर पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम। बैठक में वरिष्ठ नेता दिलीप चौरसिया, राजेश पाठक, जिला मीडिया प्रभारी हेमंदर क्षीरसागर, नगर मंडल प्रभारी सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला सह कार्यालय मंत्री चंद्रकांत पिपलेवार, नया उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, अरुण राहंगडाले और मंडल अध्यक्ष राकेश सेवईवार, पूनम खोबरागड़े का मार्गदर्शन प्राप्त

हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन नगर महामंत्री खिमेन्द्र गौतम ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नगर महामंत्री संतोष सिंगारे द्वारा किया गया। इस अवसर पर अजय मिश्रा, राज हरिनखेड़े, आकाश चौहान, रंजीत गोयल, रामकुमार मिश्रा, संतोष सिंगारे, खेमेन्द्र गौतम, राजेश लिच्छरे, खगेश कावरे, गिरीश कवाड़े, कमलेश पांचे, मनीष नेमा, सुशील वर्मा, समीर जायसवाल, योगिता बोपचे, श्वेता जैन, विनय बोपचे, भुवन राहंगडाले, अनिल बिसेन, अजय सुखदेवे, पूनम धुवारे, अमन गांधी, सरोज जुझार, दुर्गा श्रीवास, हिमांशु चौकसे, प्रसन्न कांकरिया, प्रज्जवल चौरसिया, रितु मोहरे, विकी बिसेन, गोल्डी मिश्रा, हरिशंकर सेन, राकेश परिहार, आशीष बाजपेई, चित्रवर्ण शुक्ला, अरुण तुरकर, अखिलेश चौरे, सिद्धार्थ वाजपेई, शुभम शिवाली, लतेश गौतम, कैलाश बालचंदानी, दिनेश असादी, शिवम चौरसिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमूल्य योगदान दिया।

भूमि आबंटन एवं मुख्यमंती को ज्ञापन सौपने के बाद भी

बालाघाट में न्यायालय भवन नहीं बनाये जाने से अधिवक्ताओं ने लोक अदालत का किया बहिष्कार..

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार, सचिव महेन्द्र (मधु) बिसेन, पियुष ब्रम्ह, रजनीर राहंगडाले ने व्यवत की नाराजगी, मीडिया के समक्ष रखी बात..



जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में जिला सत्र

न्यायालय भवन के जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण होने के बावजूद नये न्यायालय भवन के निर्माण के लिये राशि स्वीकृत नहीं की गई है, जिसके कारण आज अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधित्व में बालाघाट के अधिवक्ताओं ने आंदोलन का रास्ता अख्तियार करते हुए 12 सितंबर को होने वाली लोक अदालत के बहिष्कार का निर्णय लिया है।

बालाघाट में आज जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रवेश मलेवार, सचिव अधिवक्ता महेन्द्र बिसेन, पियुष ब्रम्ह, प्रशांतगिरी गोस्वामी, पूर्व

उपाध्यक्ष रजनीश राहंगडाले, महेन्द्र पटेल आदि ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि जिला न्यायालय के नये भवन के लिए कलेक्ट्रेट भवन के समीप भूमि का आवंटन पहले ही किया जा चुका है, लेकिन भवन निर्माण के लिए आवश्यक राशि अब तक स्वीकृत नहीं की गई है।

उन्होंने बताया कि नये न्यायालय भवन के निर्माण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा गया था। इस दौरान भवन निर्माण के संबंध में चर्चा कर शीघ्र राशि स्वीकृत किए जाने की मांग की गई, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई सकारात्मक पहल सामने नहीं आई है। अधिवक्ता महेन्द्र (मधु) बिसेन ने कहा कि वर्तमान जिला न्यायालय भवन काफी पुराना होने के साथ ही जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। ऐसे भवन में अधिवक्ताओं के साथ-साथ न्यायालयीन कार्यों के लिए आने वाले

पक्षकारों को भी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नवीन न्यायालय भवन का निर्माण होने से अधिवक्ताओं और पक्षकारों दोनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। अधिवक्ता रजनीश राहंगडाले ने कहा कि लगातार मांग किए जाने के बाद भी शासन स्तर से कोई ठोस निर्णय नहीं होने के कारण अधिवक्ताओं को मजबूर होकर 12 सितंबर की नेशनल लोक अदालत के बहिष्कार का निर्णय लेना पड़ा है।

उन्होंने जिले के पक्षकारों से भी इस विरोध प्रदर्शन में सहभागिता करने का आह्वान किया है। अधिवक्ता संघ ने स्पष्ट किया है कि नवीन न्यायालय भवन के निर्माण के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत कर निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने तक उनकी मांग को लेकर संघर्ष जारी रहेगा।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह ने बैहर में ली छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

एकलव्य विद्यालय में छात्राओं और अधीक्षकों के साथ किया भोजन



जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने 10 सितम्बर को बालाघाट प्रवास के दौरान एकलव्य विद्यालय बैहर में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित समस्त 137 छात्रावासों के अधीक्षकों की बैठक लेकर उन्हें छात्रावासों की सुविधाओं में सुधार करने के निर्देश दिये। इस दौरान मप्र अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम, जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा, बैहर एसडीएम श्री अनिकेत शाण्डिल्य, संयुक्त आयुक्त श्री नरोत्तम वरकडे, श्री सुधांशु वर्मा, श्रीमती शकुंतला डामोर उपस्थित थी। बैठक के पश्चात मंत्री डॉ. विजय शाह ने छात्रावास अधीक्षकों एवं एकलव्य विद्यालय के छात्राओं के साथ मेस में भोजन भी किया।

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बैठक में अधीक्षकों को बताया कि जिले के जनजाति वर्ग के छत्र छात्राओं के लिए संचालित छात्रावास की व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। छात्रावास के बच्चों का परीक्षा परिणाम 33 प्रतिशत से कम आने पर अधीक्षक को हटा दिया जाएगा। सभी छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में बेड होना चाहिए। किसी भी पलंग पर 02 बच्चें नहीं रहेंगे। सभी छात्रावासों में वाटर प्यूरिफायर की व्यवस्था रहेगी। छात्रावासों में बिजली की सुविधा के लिए सोलर पेनल लगाने विभाग द्वारा 200 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए हैं।

समय दिये जाने वाले भोजन के साथ छात्रावास अधीक्षक को सेल्फे लेकर वरिष्ठ अधिकारी को भेजना होगा। मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि वे स्वयं इसकी मानिट्रिंग करेंगे।

बैठक में बताया गया कि छात्रावास में हर माह पालको की बैठक आयोजित करना होगा। प्रत्येक छात्रावास में बच्चों की कोचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए। छात्रावास के बच्चों का परीक्षा परिणाम 33 प्रतिशत से कम आने पर अधीक्षक को हटा दिया जाएगा। सभी छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में बेड होना चाहिए। किसी भी पलंग पर 02 बच्चें नहीं रहेंगे। सभी छात्रावासों में वाटर प्यूरिफायर की व्यवस्था रहेगी। छात्रावासों में बिजली की सुविधा के लिए सोलर पेनल लगाने विभाग द्वारा 200 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए हैं।

मंत्री डॉ. विजय शाह ने बताया कि प्रत्येक छात्रावास पर निगरानी के लिए क्षेत्र के एक-एक जनप्रतिनिधि को छात्रावास आवंटित किया जाएगा, जिसमें वे सप्ताह के एक दिन जाकर बच्चों के साथ संवाद करेंगे। इसी प्रकार जिला प्रशासन द्वारा भी प्रत्येक छात्रावास के लिए एक अधिकारी संबद्ध किया जाएगा।

छात्रावास अधीक्षकों की बैठक के बाद मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने एकलव्य विद्यालय की मेस में छात्रावास अधीक्षकों एवं छात्राओं के साथ भोजन किया और इस दौरान उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम के दौरान एकलव्य विद्यालय की छात्राओं द्वारा मंत्री डॉ. विजय शाह को पेंटिंग भेंट की गई, जो उन्हें बहुत पसंद आयी और उन्होंने इसके लिए बालिकाओं को 05-05 हजार रुपए की राशि प्रदान करने के निर्देश दिये।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुख्याय (बवासीर), फिसर भ्रमंहर व अन्य गुदादोष धिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र

- कमर का दर्द
- पुटनों का दर्द
- पित्त का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गतीया वात एवं सायटिका

- अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म धिकित्सा कक्ष
- रास्त्रसुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खनिजोंत औषधियां का प्रयोग
- रोगी एवं बाधी अनुकूल पंचकर्म सुविधा

डॉ. अपूर्णा खोबरागड़े
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

फैशन की दुनिया में धमाका

फैशन फैक्ट्री
For Boys & Girls

टी शर्ट, स्पोर्ट्स ट्रेक सूट, बूटी, वॉच, बेल्ट, कैप, फैशनबल नफलर, मंकी कैप, गॉगल्स (सन ग्लास), इरींग, चैन, की चैन, वॉलेट, परफ्यूम, कैंसी लायटर

प्रो.पियुष सिंह बैस
दीप प्लाईवुड के बाजू में, महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट (म.प्र.), मो.8827333882

जग प्रेरणा

लालबर्गा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

रजेगांव की बिजली व्यवस्था को मिली मजबूती, विभाग की पहल से वर्षों की समस्या का समाधान..

आरडीएसएस योजना से सुदृढ़ होगी टाउनशिप की विद्युत व्यवस्था, अनुमानित 50 लाख की लागत से काम, एक माह में पूरा होने की उम्मीद..



अनेकों अधिकारियों से मुलाकात कर हितेश अजीत ने उठाया बिजली कटौती का मुद्दा..

सामाजिक कार्यकर्ता हितेश अजीत ने रजेगांव में लंबे समय से चली आ रही बिजली कटौती की समस्या को लेकर अनेक वर्षों से समय-समय पर कई जेई व वर्तमान जेई वर्गिस जार्ज एवं डीई से मुलाकात कर लिखित और मौखिक रूप से समस्या के समाधान की मांग रखी। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष बताया कि बार-बार बिजली बंद होने से आमजनों के साथ ही व्यापारियों और किसानों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

हितेश अजीत ने अधिकारियों का ध्यान रजेगांव के महत्व की ओर भी आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि रजेगांव पहले से ही विद्युत व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। एक समय रजेगांव से लांजी क्षेत्र तक बिजली की सप्लाई होती थी, वहीं खैरलांजी बेल्ट तक भी रजेगांव डीसी के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जाती थी। महाराष्ट्र से ली जाने वाली बिजली भी रजेगांव होकर बालाघाट व आगे जाती थी।

इसके अलावा रजेगांव में विद्युत बिलों की वसूली का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है और वसूली दर 100 प्रतिशत बताई जाती है। रजेगांव क्षेत्र का मुख्यालय के साथ अनेकों कंपनी, शासन के राजस्व नाके, मध्यप्रदेश बाईर सीमा, चौबीसों घंटे होटल खुली होने,, आवागमन चौबीसों घंटे चलने के चलते तथा भविष्य में बढ़ती आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए यहां विद्युत व्यवस्था को मजबूत किए जाने की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही थी।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए रजेगांव को टाउनशिप के रूप में विकसित करने और विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में किए जा रहे कार्य को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। वर्षों से उठाई जा रही समस्या के समाधान की दिशा में अब धरातल पर काम शुरू होने से रजेगांववासियों में भी राहत और संतोष का माहौल है।

व्यापारियों के कामकाज पर भी सीधा असर पड़ता था। विद्यार्थियों की पढ़ाई और घरों के जरूरी काम भी प्रभावित होते थे।

अब टाउनशिप के लिए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ किए जाने से ऐसी परिस्थितियों में बिजली आपूर्ति को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। वर्षों से चली आ रही इस समस्या के समाधान की दिशा में विभाग द्वारा उठाया गया यह कदम रजेगांव के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने में अधीक्षण अभियंता दीपक उर्डे एवं कार्यपालन अभियंता रवि कुम्भरे के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। वहीं वर्तमान जेई वर्गिस जार्ज भी रजेगांव को बेहतर और विशेष विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत रहे हैं। क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए उनके समाधान के लिए अधिकारियों के समक्ष विषय रखने और व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किए गए उनके प्रयासों का परिणाम अब सामने दिखाई दे रहा है।

विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन और जेई वर्गिस जार्ज सहित मैदानी अमले की सक्रियता से रजेगांव की विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती मिलने जा रही है। बिजली विभाग के अधिकारियों और पूरे स्टाफद्वारा क्षेत्र की समस्या को प्राथमिकता देते हुए किए गए प्रयासों के लिए क्षेत्रवासियों की ओर से भी आभार व्यक्त किया जा रहा है।

रजेगांव को टाउनशिप के रूप में विकसित किए जाने के साथ यहां की विद्युत व्यवस्था का मजबूत होना आने वाले समय में क्षेत्र के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

जगप्रेरणा रजेगांव।
आज के दौर में बिजली के बिना एक पल भी सामान्य जीवन की कल्पना मुश्किल है। घर, खेत, व्यापार, दुकान, शिक्षा से लेकर छोटे-बड़े हर काम बिजली पर निर्भर हैं। ऐसे में बार-बार बिजली गुल होने की समस्या लंबे समय से रजेगांववासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। अब विभाग की पहल से इस समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी उपलब्धि सामने आई है।

आरडीएसएस योजना के तहत रजेगांव टाउनशिप में विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। करीब 50 लाख रुपए की लागत से निजी कंपनी के माध्यम से कराया जा रहा यह कार्य लगभग एक माह में पूरा होने की उम्मीद है। कार्य पूर्ण होने के बाद रजेगांव की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पहले की अपेक्षा अधिक मजबूत और व्यवस्थित होगी।

दरअसल, पहले रजेगांव का कुछ क्षेत्र थड़ी फेडर तो कुछ क्षेत्र किरनापुर फेडर से जुड़ा हुआ था। इसके चलते किसी एक फेडर में तकनीकी खराबी आने अथवा प्राकृतिक आपदा के कारण विद्युत लाइन प्रभावित होने पर उसका असर रजेगांव के बड़े हिस्से पर पड़ता था। बारिश और आंधी-तूफान के दौरान जंगल या खेतों में पेड़ गिरने से लाइन प्रभावित होने पर कई बार लंबे समय तक बिजली बंद रहने की स्थिति बन जाती थी।

इस समस्या का सबसे अधिक असर आम उपभोक्ताओं के साथ किसानों और व्यापारियों पर पड़ता था। बिजली बंद होने से किसानों की सिंचाई प्रभावित होती थी, वहीं दुकानदारों और

भाजपा मंडल गढ़ी की मासिक बैठक संपन्न..

17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक होने वाले सेवा पखवाड़े के कार्यक्रमों की तैयारियों पर हुआ मंथन

अजय रजक जगप्रेरणा गढ़ी।

भारतीय जनता पार्टी मंडल गढ़ी की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष सुश्री सोनाली कुशराम की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ आगामी 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े एवं विभिन्न सेवा गतिविधियों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को बूथ एवं मंडल स्तर तक प्रभावी रूप से आयोजित करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं से सेवा पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता करने तथा केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती के साथ सेवा और जनकल्याण भाजपा



कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता है। आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

बैठक में मंडल अध्यक्ष सुश्री सोनाली कुशराम, मंडल महामंत्री टेकलाल धानेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अमरोतिन धुर्वे, दीपक पांडे, मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत भारद्वाज, अजय रजक (सोशल मीडिया सहस्रयोजक विधानसभा क्षेत्र बैहर), जितेंद्र गुप्ता, इमरत परते, गुमान सिंह, सुखदेव परते, आदित्य मिश्रा, युवा मोर्चा अध्यक्ष मंडल गढ़ी राजेश कुडवाड़िया, राजकुमार सोनी, कांता ठाकरे, लक्ष्मी धुर्वे सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन आगामी सेवा पखवाड़े के कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक और अधिक प्रभावी बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

औल्याकन्हार में भगवान श्री गणेश जी की स्थापना को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक..

दस दिवसीय गणेश उत्सव में प्रतिदिन होंगे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन..

जगप्रेरणा लालबर्गा।

नगर मुख्यालय से करीब दो किलोमीटर दूर ग्राम औल्याकन्हार के गांधी चौक सभा मंच पर 9 सितंबर 2026, बुधवार को सुबह 9 बजे भगवान श्री गणेश जी की स्थापना एवं आगामी गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर ग्रामीणों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए दस दिवसीय गणेश उत्सव को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की।

14 सितंबर को होगी गणेश प्रतिमा की स्थापना

बैठक में जानकारी देते हुए सरपंच प्रतिनिधि ओ.पी. बिसेन ने बताया कि ग्राम औल्याकन्हार में ग्रामीणों के सहयोग से विगत अनेक वर्षों से भगवान श्री गणेश जी की स्थापना कर गणेश



उत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। इसी धार्मिक एवं सामाजिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ते हुए इस वर्ष भी ग्रामीणों के सामूहिक सहयोग से गणेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 2026, सोमवार को विधि-विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। इसके पश्चात दस दिनों तक प्रतिदिन धार्मिक, सांस्कृतिक एवं बच्चों के मनोरंजन से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मां शारदा महिला मंडल की कलाकारों की विशेष प्रस्तुति

गणेश उत्सव के दौरान मां शारदा महिला मंडल

की महिला कलाकारों द्वारा भगवान श्री गणेश जी की महिमा एवं भक्ति पर आधारित भजनों की विशेष एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

25 सितंबर को होगा प्रतिमा विसर्जन

दस दिवसीय गणेश उत्सव के समापन अवसर पर 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा का विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ विसर्जन किया जाएगा।

बैठक में गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, धार्मिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा सभी कार्यक्रमों में ग्रामीणों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में सरपंच प्रतिनिधि श्री ओ.पी. बिसेन, जयराज भारद्वाज, प्रमोद चौहान, छत्रलाल कटरे (अध्यक्ष, नव गणेश उत्सव समिति), नंदकिशोर बिसेन (पंचायत सचिव), दीपक यादव (अध्यक्ष, ग्राम यादव समाज), राजकुमार यादव, मनोज नागेश्वर, महेश नागेश्वर, सोहनलाल कटरे, रविशंकर यादव, तपेश रंगारं, उमाप्रसाद नागेश्वर एवं मन्टे जी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब के खिलाफ लालबर्गा पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, 60 लीटर शराब जब्त



कौड़िया मुरझड़ में दबिश देकर आरोपी को पकड़ा, बोरीटोला में भी अवैध शराब निर्माण के ठिकानों पर छापेमारी, ग्रामीणों को किया जागरूक

जगप्रेरणा लालबर्गा।

जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री आदित्य मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय के निर्देशन तथा अनुविभागीय

अधिकारी पुलिस वारासिवनी के मार्गदर्शन में लालबर्गा पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 10 सितंबर 2026, गुरुवार को पोला-नारबोद ल्यौहार के दौरान कानून-व्यवस्था एवं ग्राम भ्रमण के दौरान थाना प्रभारी राजमल दायमा के नेतृत्व में लालबर्गा पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कौड़िया



मुरझड़ निवासी बलीराम पंचेश्वर अपने मकान के पास स्थित खेत में पैरा के ढेर के समीप बड़ी मात्रा में अवैध हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब बिक्री के उद्देश्य से रखे हुए हैं।

सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बलीराम पंचेश्वर पिता कालूराम पंचेश्वर, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम कौड़िया मुरझड़ के कब्जे से करीब 60 लीटर अवैध हाथ भट्ठी कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 6 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब को विधिवत जब्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। थाना लालबर्गा में अपराध क्रमांक 438/2026 पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

बोरीटोला में भी अवैध शराब निर्माण के ठिकानों पर छापेमारी

इसी अभियान के तहत लालबर्गा पुलिस द्वारा बुधवार को ग्राम बोरीटोला क्षेत्र में भी अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब के निर्माण एवं बिक्री के संभावित ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में पहुंचकर अवैध शराब निर्माण के ठिकानों की जांच की तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की।

कार्रवाई के साथ ग्रामीणों को किया जागरूक

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही पुलिस द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करने की पहल भी की गई। पुलिस टीम ने ग्रामीणों के बीच जागरूकता चौपाल आयोजित कर अवैध शराब के सेवन एवं निर्माण से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक एवं परिवारिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

पुलिस ने ग्रामीणों से नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। साथ ही क्षेत्र में कहीं भी अवैध शराब का निर्माण, संग्रहण अथवा बिक्री होने की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया गया।

लालबर्गा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

उक्त कार्यवाही में थाना लालबर्गा से थाना प्रभारी राजमल दायमा, सडिन. प्रशांत बंसोड़, प्र.आर.406 राजेन्द्र गौतम, प्र.आर.794 पवन मर्सकोले, आर.191 दिलीप राहगडाले, आर.304 अमर पाण्डेय, प्र.आर.1007 कृष्णकुमार पटले, आर.380 हेमन्त बिसेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

व्यवहार न्यायालय बैहर में दिनांक 12 सितम्बर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

जगप्रेरणा बैहर।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमान प्राणेश कुमार प्राण व श्रीमान सुरेंद्र सिंह गुर्जर अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बैहर के निर्देशन में दिनांक 12 सितम्बर 2026 शनिवार को जिला न्यायालय बालाघाट एवं अधीनस्थ तहसील न्यायालय बैहर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लिखित प्रकरण जैसे आपराधिक शमनीय प्रकरण, चेक बाउंड प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण दीवानी मामले राजस्व मामले आदि व प्री लिटिगेशन प्रकरण जैसे बैंकों के ऋण प्रकरण, फर्डिनेंस कंपनी के ऋण प्रकरण, विद्युत विभाग के ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए हैं, विद्युत एवं जलकर संपत्ति कर संबंधी प्रकरण जलकर, संपत्ति कर, आदि से संबंधित प्रकरण, राजस्व मामले आदि। नगर पालिका, नगर पंचायतों के प्रकरणों



में आपसी राजीनामा के आधार पर एकमुश्त राशि पर अधिभार में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। इसी प्रकार विद्युत विभाग के प्रकरणों के निराकरण पर भी एकमुश्त भुगतान पर अधिभार की राशि में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। आपसी राजीनामा से प्रकरणों के निराकरण करारकर नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाये। अधिक जानकारी के लिए जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100 पर निशुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह बलिदान दिवस पर रटेगांव में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता 18 को..

जगप्रेरणा खमरिया।

लालबर्गा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत रटेगांव रानी दुर्गावती चौक स्थित रटेगांव में राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस के अवसर पर 18 सितम्बर को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का कार्यक्रम रखा गया है। यह शुभारंभ समारोह एवं ईनाम वितरण मुख्य अतिथि बालकृष्ण बिसेन पूर्व सरपंच विशेष अतिथि श्रीमति वंदना बिसेन सरपंच ग्राम पंचायत रटेगांव उपसरपंच कुलदीप मर्सकोले,

डेमन सिंह मर्सकोले, जैनसिंह उड्के झनक सलामे, जी चंद मरकाम नरेंद्र मर्सकोले, गोबनसिंह वाड़ीवा शिवाजी परते, चंदन सलामे, धनराज सलामे अंतलाल वरकडे के हस्ते किया जायेगा 7 कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम ईनाम 10001/- रुपये, द्वितीय ईनाम 6500/-रु. तृतीय ईनाम 3100/-रुपये रखा गया है। जिसमें प्रवेश शुल्क 401 रुपये रखा गया है। कबड्डी प्रतियोगिता समीति अध्यक्ष लेखराम मर्सकोले, कुंदन मर्सकोले, रामसिंह मर्सकोले शिवप्रसाद मर्सकोले एवं समस्त पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक टीम आने की बात कही है।

DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist

DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं चकवात रोग विशेषज्ञ

FACILITIES AVAILABLE

SONOGRAPHY

- Color Doppler
- B-flow Imaging
- Transrectal & TV Sonography
- Pediatric Sonography
- Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
- Neonatalogist Neurosonogram
- 2 D Echo Cardiography
- Whole Body Ct Scan

Power Doppler Imaging

- Tissue Harmonic Imaging
- Orbital Sonography
- Siemens Germany
- Multislice/Spiral
- High Resolution
- CT Scan

DIGITAL X-RAY

- 2D, 3D/4D High Resolution
- 2D Echo
- Colour Doppler
- Multislice/Spiral
- High Resolution
- CT Scan

राष्ट्रीय सार्वभौम दुरिकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन

तुरकर क्लिनिक

सिद्धि लालन, गोंदिया

फोन - 07182- 231149, 234198, 236391

E-mail : sonoview@gmail.com



6

शुक्रवार 11 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



भारतीय महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान के उड़ाए तोते, जूनियर एशिया कप मैच में 19-0 के अंतर से चटाई धूल..

डेस्क जगप्रेरणा।
चीन में चल रहे जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने क्वार्टर फाइनल मैच में पाकिस्तान को एकतरफा 19-0 के अंतर से मात देने के साथ सेमीफाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है।



खेल के मैदान पर एकबार फिर से भारत का दबदबा पाकिस्तान के खिलाफ साफ तौर पर देखने को मिला। इस मैच में भारत की तरफ से कुल 13 खिलाड़ियों ने गोल किए जिसमें सबसे ज्यादा तीन गोल पूजा मलिक करने में कामयाब रहीं। वहीं अब भारतीय महिला हॉकी टीम की सेमीफाइनल में भिड़ंत साउथ कोरिया और मलेशिया की टीम के बीच में खेले जाने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में जीत हासिल करने वाली टीम से होगी।

पूजा साहू ने खोला टीम इंडिया का खाता, फिर लगी गोल की झड़ी..

पाकिस्तान महिला हॉकी टीम के खिलाफ

जूनियर एशिया कप के मुकाबले में भारतीय टीम का पहले ही हाफ से दबदबा देखने को मिला, जिसमें खेल के 7वें मिनट में टीम इंडिया की तरफ से मुकाबले का पहला गोल पूजा साहू ने किया और इसके बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों ने लगातार अंतराल पर गोल करना जारी रखा। हाफ टाइम पर जब खेल रोका गया तो उस समय तक भारतीय टीम की तरफ से मुकाबले में कुल 10 गोल किए जा चुके थे। इसके बाद अगले 2 क्वार्टर में भारत की तरफसे 9 और गोल किए गए तो वहीं पाकिस्तानी महिला हॉकी टीम मैच में पूरी तरह से बेबस नजर आई और एक भी गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी। भारतीय महिला हॉकी टीम की तरफ से इस मैच में सबसे ज्यादा तीन

गोल पूजा मलिक ने किए तो वहीं रोशनी, सानिका, मधु, सुप्रिया ने 2-2 गोल किए।

टीम इंडिया की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर..

भारतीय महिला हॉकी टीम जो जूनियर एशिया कप में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में खेल रही है, उसकी नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर हैं। टीम इंडिया ने इससे पहले साल 2023 और 2024 में महिला जूनियर एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया था।

वहीं इस बार भी अब तक उनका टूर्नामेंट में अजेय अभियान देखने को मिला है, जिसमें रूफ स्टेज में जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया की टीम को मात देने में कामयाब रही थी। भारतीय महिला हॉकी टीम अब 12 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया या मलेशिया में से किसी एक टीम का सामना करेगी।

ईशान किशन ने खत्म किया 13 साल का सूखा, साउथ जोन का पटककर ईस्ट जोन बनी दलीप ट्रॉफी की चैंपियन..

डेस्क जगप्रेरणा।
ईशान किशन ने आखिर वो काम कर दिखाया, जिसका इंतजार करीब 13 साल से किया जा रहा था। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन को हराकर ईस्ट जोन की टीम ने खिताब पर कब्जा कर लिया।



हैं और आठ मैच झूँ रहे हैं। यानी एक भी मैच उनकी कप्तानी में टीम हारी नहीं है। ये आपने आप में गजब कारनामा है। इस बीच साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा रहे, उन्होंने फाइनल में 99 रन की पारी जरूर खेली, लेकिन वो इस मुकाबले के लिए नाकाफी रही और टीम हार गई।

ईस्ट जोन के सामने कहीं नहीं टिक साउथ जोन की टीम..

ट्रॉफी भी साल 2025 में जीती थी। तब वे झारखंड के कप्तान थे और झारखंड ने पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया था। ईस्ट जोन की टीम पिछले 13 साल से दलीप ट्रॉफी का इंतजार कर रही थी,

जो अब जाकर खत्म हुआ है। ईशान को सैयद मुश्ताक अली के फाइनल में भी प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था, इस बार भी उन्होंने ये पुरस्कार जीता है, जबकि ये दोनों टूर्नामेंट अलग अलग फॉर्मेट पर खेले जाते हैं।

प्रथम श्रेणी मैचों में ईशान किशन एक भी मैच नहीं हारे हैं..

सबसे अहम और खास बात ये है कि ईशान किशन ने अब तक 16 प्रथम श्रेणी मैचों में टीम की कप्तानी की है और उसमें से आठ में वे जीते

फाइनल में पहले बैटिंग करने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने पहली पारी में 708 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया था। इसमें कप्तान ईशान किशन के 270 रन भी शामिल रहे। इसके बाद जब साउथ जोन की टीम बैटिंग के लिए आई तो 336 रन पर ही पूरी टीम पवेलियन लौट गई। ईशान चाहते तो साउथ जोन को फॉलोआन दे सकते थे और साउथ जोन का फिर से बैटिंग के लिए आना पड़ता, लेकिन उन्होंने खुद बैटिंग का फैसला किया। ईस्ट जोन ने अपनी दूसरी पारी में सात विकेट पर 388 रन बना लिए थे, तभी मैच झूँ घोषित किया गया और पहली पारी की बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन की टीम चैंपियन बन गई।

क्या शैरॉन वर्मा को डेट कर रहे हैं समय रैना? कॉमेडियन ने बताया अफवाहों का सच, इंटरनेट के माथे मढ़ा दोष..

डेस्क जगप्रेरणा।
समय रैना इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। आए दिन समय रैना का शो किसी न किसी विवाद में घिर जाता है। हाल ही में समय रैना अपने शो के एक एपिसोड को लेकर फिर विवादों में घिर गए।



शो के दौरान 'बिहारी-कश्मीरी' कमेंट पर समय रैना और पैनलिस्ट रहें शैरॉन वर्मा आलोचनाओं के घेरे में आ गए। इसी बीच कॉमेडियन की पर्सनल लाइफ को लेकर भी अलग-अलग दावे किए जाने लगे। पिछले दिनों समय रैना का नाम एक्स्प्रेस मेंथा शंकर से जुड़ रहा था, लेकिन शैरॉन वर्मा के साथ उनकी बॉन्डिंग देखने के बाद कुछ लोगों ने शैरॉन के साथ भी उनका नाम जोड़ना शुरू कर दिया। अब समय रैना ने खुद इन अफवाहों का सच बताया है।

क्या समय रैना, शैरान वर्मा को डेट कर रहे हैं?

'इंडियाज गॉट लेटेस्ट' के पहले सीजन में शैरॉन वर्मा ने बतौर कंटेस्टेंट दर्शकों का दिल जीता,

जिसके बाद 'इंडियाज गॉट लेटेस्ट' सीजन 2 के दो एपिसोड में वह बतौर पैनलिस्ट शामिल हुईं। एक एपिसोड में वह ओरी, अर्चना पूरन सिंह के साथ दिखीं तो वहीं एक अन्य एपिसोड में मेंथा शंकर के साथ पैनल का हिस्सा बनीं। दोनों ही एपिसोड के दौरान उनकी समय रैना संग अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद दोनों की डेटिंग के चर्चे होने लगे। हाल ही में जब इंस्टाग्राम पर एक चहूँ सेशन के दौरान, कॉमेडियन से एक फैन ने पूछा, 'क्या आप शैरॉन को डेट कर रहे हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए समय ने इन अटकलों को खारिज कर दिया और लिखा, 'नहीं भाई, बस इंटरनेट अपना काम कर रहा है।'

शैरॉन वर्मा कौन हैं?

शैरॉन वर्मा की बात करें तो वह बिहार की रहने वाली हैं और एक स्टैंड-अप कॉमेडियन और

करने के बाद, उन्होंने अपने स्टैंड-अप कॉमेडी शो करने शुरू किए और अब वह विदेशों में भी परफॉर्म करती हैं। फिलहाल, इंस्टाग्राम पर उनके 2.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

‘इंडियाज गॉट लेटेस्ट’ में कंटेस्टेंट से जज तक..

इंडियाज गॉट लेटेस्ट सीजन 1 के दौरान शैरॉन ने खुद को 8 का स्कोर दिया, जबकि जजों का औसत स्कोर 9.5 था, जिसके चलते वह नहीं जीत पाईं। लेकिन, लोकप्रियता हासिल करने में सफल रहें। सीजन 2 में शैरॉन एक जज के तौर पर पैनल में शामिल हुईं। अपने सफर की एक झलक शेयर करते हुए, शैरॉन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आखिरकार बिहारी सीट ले ही जाता है।' वहीं दो एपिसोड में नजर आने के बाद से ही उनके और समय रैना की डेटिंग की भी चर्चे शुरू हो गए।

बिपाशा बसु को न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में मिले छोटे कीड़े, तुकाराम मुंढे को टैग कर बोलीं- ‘आप आखिरी उम्मीद हैं’..

डेस्क जगप्रेरणा।
बिपाशा बसु ने एक न्यूट्रिशन प्रोडक्ट से जुड़ी फूड-सेफ्टी की समस्या पर चिंता जताई है। उन्होंने गुरुवार, 10 सितंबर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक प्रोडक्ट के अंदर छोटे-छोटे कीड़े मिले।

उन्होंने इस वीडियो में महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को टैग भी किया है और उनसे अपील की कि इस तरह के मिलावट के मामले में वे मदद करें। एक्ट्रेस ने तुकाराम मुंढे से मिलावटी और खराब प्रोडक्ट्स के खिलाफसख्त कदम उठाने की मांग की। इसके पहले श्वेता तिवारी के ऑनलाइन ऑर्डर किए गए ड्रिंक से एक कॉकरोच निकला था और उन्होंने भी महाराष्ट्र एफडीए कमिश्नर से इस लापरवाही पर कार्रवाई करने की अपील की थी।



बिपाशा बसु को न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में मिला कीड़ा..

वीडियो में बिपाशा बसु ने कंटेनर के अंदर की चीजों को जूम करके दिखाया और बताया कि ये छोटे-छोटे कीड़े हैं। वीडियो में बिपाशा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'इस न्यूट्रिशन प्रोडक्ट में कीड़े भरे हुए हैं... बहुत छोटे-छोटे कीड़े। हमने जो नया डिब्बा खोला है, वह कीड़ों से भरा हुआ है।' इस क्लिप के साथ बिपाशा ने तुकाराम मुंढे को टैग किया और लिखा, '@tukaram_jas आप ही हमारी आखिरी उम्मीद हैं... ताकि हम जो भी खरीदें, उसमें हमें खराब या मिलावटी सामान न मिले।'

जब बिपाशा बसु को ‘जिस्म’ साइन करने पर मिली चेतावनी..

एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने Elle India से बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' साइन करने का फैसला किया तो उन्हें पता था कि वह बहुत बड़ा रिस्क ले रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उस वक्त इंडस्ट्री में कई लोगों ने उस वक्त नहीं करने की सलाह दी थी, क्योंकि उन्होंने चिंता थी कि बोल्ट सीन करना बिपाशा के करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसी बातचीत में बिपाशा ने बेटी देवी के जन्म के बाद बड़े वजन को लेकर हुई ट्रेलिंग पर भी बात की।

बिपाशा बसु का वर्क फ्रंट..

प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस बिपाशा ने अभी किसी फिल्म की घोषणा नहीं की है। हाल के सालों में लाइमलाइट से दूर रहें इस एक्ट्रेस को आखिरी बार 2020 की वेब सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था। उनके फैंस बड़े पर्दे पर उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

यामी गौतम बनीं रहस्यमयी दुल्हन, शादी के बाद शुरू हुआ अजीबोगरीब खेल, ‘नय्यी नवेली’ का टीजर आउट..

डेस्क जगप्रेरणा।
बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम धर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ‘नय्यी नवेली’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है और इसे देखकर कहानी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

टीजर में यामी एक नई-नवेली दुल्हन के किरदार में नजर आ रही हैं, लेकिन उनका किरदार जितना सामान्य दिखाई देता है, कहानी उतनी ही रहस्यमयी लगती है। उनके शादी के बाद घर में कदम रखते ही कुछ ऐसी घटनाएं शुरू होती हैं, जो धीरे-धीरे पूरे माहौल को अजीब और मजेदार बना देती हैं। फिल्म को फैंटेसी, कॉमेडी और एडवेंचर का दिलचस्प मिश्रण बताया जा रहा है।

नई दुल्हन या कुछ और? यामी के किरदार ने बढ़ाया सस्पेंस..

'नय्यी नवेली' के टीजर की सबसे खास बात यामी गौतम का किरदार है। पहली झलक में वह एक बिल्कुल साधारण नई दुल्हन की तरह नजर आती हैं, लेकिन कहानी आगे बढ़ते ही उनके आसपास होने वाली घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। ऐसा लगता है कि उनके किरदार में कोई ऐसा राज छिपा है, जिसका खुलासा फिल्म में धीरे-धीरे होगा। मेकर्स ने टीजर में कहानी की ज्यादा जानकारी देने से परहेज किया है। इसके बजाय दर्शकों को उन परिस्थितियों की झलक दिखाई गई है, जिनके बीच फिल्म के किरदार फंसेते नजर आते हैं।

घर-परिवार का माहौल, अचानक पैदा होने वाली उलझनें और यामी की मौजूदगी से बढ़ता हुआ बवाल टीजर को मजेदार बनाता है। यही वजह है कि अभी यह साफनहीं है कि यामी सिर्फ



एक अनोखी दुल्हन हैं या उनके किरदार का कनेक्शन किसी अलौकिक दुनिया से भी है।

फैंटेसी के साथ कॉमेडी का तड़का..

फिल्म की कहानी में फैंटेसी को महत्वपूर्ण जगह दी गई है। हालांकि यह केवल एक रहस्यमयी कहानी नहीं लगती, बल्कि इसमें कॉमेडी और पारिवारिक रिश्तों को भी काफी अहमियत दी गई है। टीजर में जिस तरह एक के बाद एक अजीब परिस्थितियां सामने आती हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म का मनोरंजन काफी हद तक इन्हीं घटनाओं से पैदा होगा। फिल्म का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है। इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले पर हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने काम किया है। फिल्म का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। यानी इस प्रोजेक्ट के पीछे बॉलीवुड की ऐसी टीम है, जो अलग तरह की कहानियों को पर्दे पर पेश करने के लिए जानी जाती है।

यामी के साथ नजर आएगी बड़ी स्टारकास्ट..

'नय्यी नवेली' में यामी गौतम के अलावा आदिनाथ एम कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता हुआ बवाल टीजर को मजेदार बनाता है। यही वजह है कि अभी यह साफनहीं है कि यामी सिर्फ

कई कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म की कहानी को सपोर्ट करने में यह पूरी कास्ट अहम भूमिका निभाती नजर आएगी। इस फिल्म के साथ अमेर्जान एमजीएम स्टूडियो और कलर येलो भी जुड़े हैं। दोनों कंपनियां इसे सिनेमाघरों में रिलीज के लिए प्रस्तुत कर रही हैं। फिल्म को एक ऐसी फेमिली एंटरटेनर के तौर पर तैयार किया गया है, जिसे अलग-अलग उम्र के दर्शक साथ बैठकर देख सकें।

दशहरा के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म..

'नय्यी नवेली' को 16 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की रिलीज डेट को देखते हुए इसे फेस्टिव सीजन के लिए तैयार किया गया है।

मेकर्स का मानना है कि फैंटेसी, ह्यूमर और एडवेंचर से भरपूर यह कहानी दशहरा के आसपास दर्शकों के लिए मनोरंजन का अच्छा विकल्प बन सकती है। प्रामाण्य वीडियो इंडिया और अमेर्जान एमजीएम स्टूडियो के निखिल माधोक भी पहले फिल्म को दशहरा के समय रिलीज करने की उपयुक्तता की बात कह चुके हैं। वहीं निर्माता आनंद एल राय ने कहानी को ऐसी फिल्म बताया है, जिसमें किरदारों के साथ-साथ दर्शकों को भी लगातार नए सरप्राइज मिलते रहेंगे।

‘आर्टिकल 370’ के बाद फिर अलग अंदाज में यामी..

यामी गौतम धर के लिए भी 'नय्यी नवेली' काफी दिलचस्प प्रोजेक्ट है। हाल के वर्षों में वह 'आर्टिकल 370' और 'हक' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभा चुकी हैं। 'आर्टिकल 370' में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। इसके अलावा वह 'धुरंधर: द रिवेंज' में कैमियो करती हुई भी नजर आई थीं।

वियतनाम ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रणय का सामना हमवतन संस्कार से, तन्वी और मालविका आमने-सामने..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय का सामना पुरुष एकल में हमवतन संस्कार सारस्वत से होगा जबकि तन्वी शर्मा महिला एकल में मालविका बंसोड़ से भिड़ेंगी।

तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय ने चीनी ताइपे के वू ज़े थिंग को 21-15, 13-21, 21-14 से हराया। वहीं संस्कार ने प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त हमवतन किरण जॉर्ज को 12-21,

21-1, 21-18 से मात दी। हाल में ताइपे ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाली शीष वरीय तन्वी एक अन्य क्वार्टर फाइनल में हमवतन और सातवीं वरीय मालविका का सामना करेगी। तन्वी को थाईलैंड की पासा ओर्न फ्लाचेट ने कड़ी चुनौती दी लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 26-24, 21-13 से जीत दर्ज की। मालविका ने तिदापोर्न क्लीब्बेसुन को 21-19, 21-14 से हराया। तीसरी वरीय ईशारा अल्ला ने भी मलेशिया की गोह जिन वेई को 21-18, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल के अंतिम आठ को मुकाबले में उनका सामना चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पिंग से होगा। पिछले सप्ताह इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही मानसी सिंह ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन की शू वेन जिंग को 23-21, 21-19 से हराया। अब उनका सामना छठी वरीय हमवतन रश्मिता श्री

संतोष रामराज से होगा। रश्मिता ने दक्षिण कोरिया की किम मिम सन को 21-13, 22-20 से हराया। मिश्रित युगल में सातवीं वरीयता प्राप्त विमलराज अश्वदुरई और श्रेया बालाजी ने चौथी वरीयता प्राप्त साल्विक रेड्डी कनारासुम और राधिका शर्मा की जोड़ी को 21-15, 24-22 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अगले दौर में उनका सामना थाईलैंड के फुवानत हॉर्नलतुएफिकट और फुंगफा कोरफ थमाफिकट से होगा।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में थारुन मंत्रेपल्ली और अलाप मिश्रा हालांकि प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। मंत्रेपल्ली को वियतनाम के गुयेन हाई डोंग ने 21-14, 21-13 से हराया जबकि अलाप को चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त डोंग तियांन याओ ने 21-15, 21-9 से मात दी। चीन के सातवीं वरीय झू शुआन चेन ने बेहद करीबी मुकाबले में भारत के रैनक चौहान को 21-16, 11-21, 25-23 से हराया।



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

हनुमान अंश : भारत के आत्मतत्त्व का प्रकटीकरण

आजकल चर्चा इस बात की हो रही है कि 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की, किस बड़ी फिल्म को पीछे छोड़ा और कितने करोड़ का व्यवसाय किया। सिनेमा की दुनिया में सफलता को मापने का यह सामान्य तरीका है। किंतु यदि 'हनुमान अंश' की चर्चा केवल उसकी कमाई तक सीमित कर दी जाए, तो हम इस घटना के सबसे महत्वपूर्ण पक्ष को समझने से वंचित रह जाएंगे।

असल प्रश्न यह नहीं है कि फिल्म ने कितना कमाया। प्रश्न यह है कि सीमित संसाधनों से बनी, आध्यात्मिक विषय पर केंद्रित और बिना किसी स्थापित महानायक के सहारे आगे बढ़ी यह फिल्म भारत के जनमानस में इतनी गहराई से कैसे उतर गई। यही कारण है कि इसे केवल एक फिल्म के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय समाज के भीतर चल रही एक गहरी सांस्कृतिक प्रक्रिया के रूप में देखने की आवश्यकता है।

यह सफलता शायद हमें बता रही है कि भारत को केवल बाजार समझने वाले लोग अभी भी भारत को पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं। भारत एक विशाल बाजार है, किंतु भारत केवल बाजार नहीं है। यहाँ का मनुष्य केवल वस्तुओं का उपभोक्ता नहीं है; उसके भीतर स्मृतियाँ हैं, प्रतीक हैं, आस्थाएँ हैं, कथाएँ हैं और जीवन के ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर वह केवल धन और सुविधा में नहीं खोजता।

यही कारण है कि आज का भारतीय युवा नवीनतम स्मार्टफोन का उपयोग करते हुए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जीते हुए और वैश्विक संस्कृति से जुड़ते हुए भी अवसर मिलने पर गीता के प्रश्नों की ओर लौटता है, हनुमान चालीसा सुनता है और संतों की कथाओं में जीवन का अर्थ खोजता है। कुछ लोगों को यह विरोधाभास दिखाई दे सकता है, किंतु वास्तव में यही भारत है।

भारत आधुनिकता को स्वीकार करता है, पर अपनी आत्मा को त्यागने की शर्त पर नहीं। भारत तकनीक चाहता है, विकास चाहता है और आर्थिक समृद्धि भी चाहता है, किंतु उसके भीतर यह प्रश्न भी जीवित रहता है कि यदि सब कुछ प्राप्त हो जाए और मनुष्य के भीतर शांति न हो, तो उस उपलब्धि का अर्थ क्या है? भारतीय सभ्यता ने हजारों वर्षों से मनुष्य और जीवन के इन्हीं प्रश्नों पर विचार किया है। क्या मनुष्य केवल शरीर है? क्या उसकी आवश्यकताएँ केवल आर्थिक हैं? क्या सुख केवल वस्तुओं से प्राप्त होता है? भारतीय

जीवन-दृष्टि ने अर्थ को कभी अस्वीकार नहीं किया। अर्थ और काम दोनों को पुरुषार्थ माना गया, किंतु भारत यहाँ नहीं रुकता। वह धर्म और मोक्ष की भी बात करता है। अर्थात् जीवन केवल प्राप्त करने की यात्रा नहीं, स्वयं को समझने की यात्रा भी है।

यहीं 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म मनोरंजन से आगे बढ़ जाती है। यह उस भारतीय स्मृति को स्पर्श करती है जिसके भीतर संत केवल धार्मिक पात्र नहीं हैं। भारत में ऋषि, मुनि और संत समाज की चेतना के महत्वपूर्ण स्रोत रहे हैं। उन्होंने मनुष्य को केवल पूजा-पद्धति नहीं दी, बल्कि प्रेम, सेवा, भक्ति, ज्ञान और आत्मबोध की दिशा भी दी।

नीम करौली बाबा इसी व्यापक संत परंपरा के महत्वपूर्ण नाम हैं। उनकी हनुमान भक्ति, सेवा और प्रेम से जुड़ी शिक्षाओं ने भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक लोगों को प्रभावित किया। 'हनुमान अंश' ने इसी जीवन-धारा को सिनेमा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुँचाया।

आज कल्चरल मार्क्सवाद से प्रभावित कुछ सांस्कृतिक दृष्टिपूर्ण धर्म, परंपरा, परिवार, मंदिर और पूजा को मुख्यतः सत्ता, नियंत्रण और दमन के चश्मे से देखने का प्रयास करती हैं। इसके परिणामस्वरूप नई पीढ़ी के सामने कई बार यह धारणा निर्मित होती है कि अपनी परंपरा से दूरी बनाना ही आधुनिकता है।

लेकिन व्यक्ति की स्वतंत्रता और आधुनिकता का अर्थ अपनी सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक जड़ों से मुक्त हो जाना नहीं है। भारतीय जीवन-दृष्टि व्यक्ति को केवल एक अकेली इकाई के रूप में नहीं देखती। यहाँ व्यक्ति परिवार, समाज और व्यापक सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा हुआ है। मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं रहे, बल्कि समाज और संस्कृति को जोड़ने वाले केंद्र भी रहे हैं। पर्व केवल उत्सव नहीं, पीढ़ियों को जोड़ने वाली स्मृतियाँ रहे हैं।

ऐसे समय में 'हनुमान अंश' का युवाओं के बीच पहुँचाना अपने आप में एक सांस्कृतिक उत्तर है। जिस युवा पीढ़ी को अपनी परंपरा से दूर माना जा रहा था, उसी ने भारतीय संत और हनुमान भक्ति से जुड़ी कथा को स्वीकार किया। फिल्म ने किसी राजनीतिक नारे या वैचारिक अभियान के माध्यम से युवाओं को नहीं जोड़ा। उसने केवल भारत की अपनी कथा कही और युवा पीढ़ी ने उसे स्वीकार किया।

आज का युवा स्मार्टफोन भी रख सकता है और हनुमान चालीसा भी सुन सकता है। वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में जी सकता है और

अपने संतों से प्रेरणा भी ले सकता है। वह वैश्विक संसार से जुड़ा हुआ हो सकता है और फिर भी अपनी भारतीय पहचान पर गर्व कर सकता है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है।

नीम करौली बाबा की आध्यात्मिक परंपरा ने अनेक पश्चिमी लोगों को भी प्रभावित किया। अमेरिका के मनोवैज्ञानिक रिचर्ड एलपर्ट भारत आने के बाद नीम करौली बाबा से प्रभावित हुए और आगे चलकर राम दास के नाम से प्रसिद्ध हुए। उनकी पुस्तक *इदह ह्यः* ने पश्चिमी समाज में भारतीय आध्यात्मिक चिंतन, योग और ध्यान के प्रति व्यापक जिज्ञासा उत्पन्न की।

स्टीव जॉन्स भी भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को समझने की खोज में भारत आए थे, यद्यपि उनकी नीम करौली बाबा से प्रत्यक्ष भेंट नहीं हुई थी। मार्क जुकरबर्ग का कैची धाम से जुड़ा प्रसंग भी व्यापक रूप से चर्चित रहा है।

इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि भारतीय अध्यात्म को महान सिद्ध करने के लिए हमें विदेशी स्वीकृति की आवश्यकता है। भारतीय अध्यात्म की शक्ति किसी विदेशी प्रमाणपत्र पर निर्भर नहीं है। किंतु यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक, वैश्विक पूँजी और भौतिक सफलता के संसार से जुड़े लोग भी जीवन के किसी मोड़ पर भारत की आध्यात्मिक परंपराओं की ओर देखते हैं।

धन सुविधा दे सकता है, तकनीक शक्ति दे सकती है और विज्ञान जीवन को अधिक सुगम बना सकता है, किंतु ये अपने आप मनुष्य को यह उत्तर नहीं देते कि मैं क्यों जी रहा हूँ, मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है और सफलता के बाद भी भीतर रिक्तता क्यों है?

ये मनुष्य के मूल प्रश्न हैं और भारत की विशिष्टता यह है कि उसने इन्हें जीवन के केंद्र में रखा। योग भीतर की यात्रा का विज्ञान है, ध्यान उसका अभ्यास है, वेदांत उसका दार्शनिक विस्तार है और भक्ति उस खोज का भावात्मक मार्ग है।

इसीलिए 'हनुमान अंश' की सफलता को केवल धार्मिक भावनाओं के उभार के रूप में समझना पर्याप्त नहीं है। यह उस भारतीय मनुष्य की उपस्थिति का संकेत है जो आधुनिक है, किंतु अपनी जड़ों से कटना नहीं

चाहता; जो विकास चाहता है, किंतु जीवन को केवल विकास-दर में नहीं मापता।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न हम भारतीयों के सामने है—क्या हमें अपनी परंपरा की महत्ता तभी समझ आती है जब कोई विदेशी उसकी प्रशंसा करे? क्या हमें योग, गीता और संत परंपरा की शक्ति तब दिखाई देती है जब पश्चिम उन्हें अपनाता है?

यदि ऐसा है तो यह हमारी विरासत की कमजोरी नहीं, हमारी आत्मविस्मृति की समस्या है।

हमें अपनी परंपराओं को आँख बंद करके स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है, किंतु उन्हें आँख बंद करके अस्वीकार करने का भी कोई कारण नहीं है। हमें अपने संतों का अध्ययन करना होगा, उनके दर्शन को समझना होगा और उनकी शिक्षाओं को आधुनिक संदर्भ में देखना होगा।

भारत को समझने के लिए केवल सत्ता, अर्थव्यवस्था और संघर्ष की भाषा पर्याप्त नहीं है। भारत को समझने के लिए उसकी आत्मा की भाषा भी समझनी होगी।

उस भाषा में हनुमान हैं, राम हैं, उपनिषद् हैं, बुद्ध हैं, गुरु नानक हैं, विवेकानंद हैं और अरसंख्य संत हैं जिन्होंने भारत के सामान्य मनुष्य को बताया कि प्रेम भी जीवन है, सेवा भी जीवन है, त्याग भी जीवन है और स्वयं को जानने की यात्रा भी जीवन है।

इस दृष्टि से 'हनुमान अंश' केवल एक फिल्म नहीं है। यह भारत के भीतर अभी भी जीवित उस चेतना का प्रकटीकरण है जिसे कुछ वैचारिक धाराओं ने समाप्त मान लिया था।

इसकी कमाई कुछ वर्षों बाद केवल एक आँकड़ा रह जाएगी। रिकॉर्ड टूटेंगे और नई फिल्में आएँगी। किंतु यदि इस फिल्म ने किसी युवा को पहली बार यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया कि नीम करौली बाबा कौन थे, भारतीय संत परंपरा क्या है और

भारत ने मनुष्य तथा जीवन के बारे में हजारों वर्षों से क्या सोचा है, तो इसकी सफलता बॉक्स ऑफिस से कहीं बड़ी होगी। क्योंकि भारत के आध्यात्म की गहराई अथाह है। 'हनुमान अंश' केवल उसकी एक झलक है।

इसलिए 'हनुमान अंश' केवल एक फिल्म नहीं है—यह भारत के आत्मतत्त्व का प्रकटीकरण है। यह उस भारत की पुनस्मृति है जिसे हमें स्वयं पहचानना होगा।

पोला : माटी, मवेशी और मानवीय संवेदना

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के अंचलों में पोला केवल एक पारंपरिक त्योहार नहीं, बल्कि कृषि संस्कृति की रोड़ समझे जाने वाले मवेशियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला एक सजीव जीवंत अनुष्ठान है। भादों मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व कृषि और पशुधन के अभेद्य संबंध को रेखांकित करता है। जब खेतों में रोपाई का कार्य पूर्ण हो जाता है और फसलें लहलहाते लगती हैं, तब किसान अपनी हलिया-बैल की जोड़ी को विश्राम देकर उन्हें सम्मानित करते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भारत की ग्रामीण सभ्यता मशीनों से नहीं, बल्कि प्रकृति और पशुओं के सह-अस्तित्व से निर्मित हुई है।

गौरक्षा के प्रति स्वाभाविक जुड़ाव

इस दिन बैलों को नहला-धुलाकर सिंगार किया जाता है, उनके सींगों को रंगा जाता है और उन्हें ठेंदरी-खुरमी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। पोला केवल बड़ों की कृतज्ञता तक सीमित नहीं है; बच्चों के लिए मिट्टी के बैल और जाता-पोला (खिलौने) खरीदे जाते हैं, जो आने वाली पीढ़ी में कृषि, गौरक्षा और हस्तशिल्प के प्रति स्वाभाविक जुड़ाव उत्पन्न करते हैं।

आज के यंत्रीकरण के युग में जब ट्रैक्टरों और आधुनिक मशीनों ने कृषि क्षेत्र पर कब्जा जमा लिया है, पोला पर्व की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है।

मारबत बुराई के अंत का प्रतीक

बैल पोला या तान्हा पोला के दूसरे दिन गांव में मारबत के पुतले का भव्य जुलूस निकाला जाता है। साथ ही मिट्टी की मारबत बनाकर बांस की गेड़ी के साथ दूसरे गांव की सीमा में दहन करके बुराई के अंत का प्रतीक मनाया जाता है, जिसमें लोग +ईडा-पीडा घेऊन जा रे मारबत+ (सारी बुराईयाँ और कष्ट दूर हो जाएं) के नारे लगाते हैं। परंपरा में मारबत के साथ 'बडया' नाम के छोटे पुतले भी होते हैं, जो समाज की वर्तमान बुराइयों जैसे



महंगाई, भ्रष्टाचार और अन्य समस्याओं पर तीखा कटाक्ष करते हैं।

जैविक खेती और लोक संस्कृति

यह केवल अनुष्ठानिक पूजा नहीं, बल्कि मवेशियों की रक्षा, देखभाल और पशु-कल्याण का एक सशक्त माध्यम है। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से यह पर्व याद दिलाता है कि जैविक खेती और प्राकृतिक पर्यावरण के बिना टिकाऊ कृषि संभव नहीं है। वहीं लोकाचार और शिल्प संरक्षण के बारे में मिट्टी के खिलौनों के माध्यम से यह

स्थानीय कुम्हारों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा प्रोत्साहन देता है, जो पशुपालन, जैविक खेती और लोक संस्कृति की मान्यता को महत्वपूर्ण बनाता है।

जड़ों से जोड़े रखती सुगांध

समय की मांग है कि हम पोला को केवल अतीत की एक याद या रस्म न बनने दें। मशीनीकरण आधुनिकता का अनिवार्य अंग हो सकता है, लेकिन जिस निष्ठा के साथ पोला पर मवेशियों को अन्नदाता के सहयोगी के रूप में पूजा जाता है, वह भावना पर्यावरण संरक्षण और पशु-अधिकारों के लिए आज भी प्रासंगिक है। पोला माटी की उसी सुगांध और संवेदना को जीवित रखने का संकल्प है, जो मानव को उसकी जड़ों से जोड़े रखती है।

लेखक



हेमन्द्र क्षीरसागर,
पत्रकार व लेखक,

बरसात..

बरसात की लगी है झड़ी, पानी की फुहार।
बिजली चमके नम में, जैसे तेज तलवार।
मेघ गरजते ऐसे, जैसे बम से करते वार।
धरती ने किया है, हरियाली का श्रृंगार।

खेतों में चलते है, हल और ट्रैक्टर।
किसान है खुश, देख बारीश का रंग।
कर रहे है काम, सब मिल जुलकर।
मयूर नाच रहे वन में, मोरनी के संग।

नदी-नाले में आ गयी, बाढ़ इस कदर।
रास्ते है जाम, जा नहीं सकते इधर से उधर।
लबालब भर गये, तालाब और सरोवर।
मन में है खलबली, अब कैसे पहुँचे घर।

बरसात पानी की समस्या करती है हल।
बरसात न हो तो नही रहेगा कोई कल।
बरसात नही बरसी तो होगा पुर अकाल।
टिकाने आ जायेगी सब लोगों की अकल।

रचनाकार



चिरंजीव बिसेन
गोंदिया

दशा महा दशा..

आस्था-विश्वास।
बीच में उलझ गया।
बरसों से चली आ रही।
परम्परा का तमाशा।
प्रत्यक्ष दिखाई देने लगा।
सिंहस्थ तो पूर्व कालीन।
तब कोई बदलाव नहीं हुआ।
उस समय भी आते जाते थे।
तब कोई व्यवधान नहीं हुआ।
इसी बहाने भ्रष्टाचार का।
उदय हो गया।
इनके पीछे रोजगार चलेगा।

आस्था-विश्वास-विरासत।
गुमनाम किया जायेगा।

उनका इतिहास
लिखा जायेगा।
जहाँ दिमाग
लगाने जरूरत है।
वहाँ तो ध्यान शून्य है।
सरेआम तमाशाबीन
है रही है।
पुर्खों की विरासत।
मुखों का आधिपत्य।
विनाश का अध्याय
प्रारंभ हो गया ?

रचनाकार



आचार्य डॉ.वीरेन्द्र
सिंह गहरवार 'वीर'

शब्दवर्गपहेली क्र.- 268

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
13			14		15	16			17	18	19
20		21		22	23		24		25	26	27
	29		30		31	32		33		34	
35		36		37	38			39		40	41
	42		43		44		45	46		47	
48	49		50			51	52	53		54	
55			56			57	58		59		61
	62		63		64	65		66		67	68
69	70		71		72	73	74	75		76	77
	79	80		81			82		83		84
85		86				87	88		89	90	91
93	94		95		96			97		98	
99				100			101	102		103	
			106		107	108		109		110	111
114					115					117	
										118	

ck; i l nk; i -1) बच्चों की एक पुरानी मासिक पत्रिका, एक फूल 3) असफलता 6) घृणा 8) ईश्वर 11) अधिकार 13) तरल 8) अभिमन्यू की पत्नी 15) मत्सर्ना, धिक्कार 18) जिसके उपर कुछ अंकित या लिखा न हो, जो तड़क भड़क वाला न हो 19) भाग्य, कृपा 20) मनुष्यता 22) मार्गप्रदर्शक (उद्घो) 25) मुलायम 27) एक दल से दूसरे दल में जाना 29) दुरुस्त होना 31) गणना करना 33) निपुणता 35) पत्र 36) अप्रसन्न 38) चावल की एक उत्कृष्ट किस्म 39) प्रकार 43) हमला 45) कृपालू 47) कलंकित 48) मन को हसनेवाला 51) जरूरत 53) शरम, लज्जा 54) अकबर के दरबार के एक प्रसिद्ध गायक 55) व्यायाम 56) आरुढ़ 57) कपड़े का छोटा चौकोर टुकड़ा जो जेब में रहता है 59) बाण, किनारा

60) राज्य का सबसे प्रमुख शहर, जहाँसे सरकार चलायी जाती है 62) तनातनी 64) प्रकृती 66) बराबरी 68) आवाज 69) घमंड 71) चांदी 74) मारे हुए 75) जिसे मृत्यु न हो 76) ऋण 77) कसौटी 79) रास्ता 81) कृतज्ञता, कृतज्ञ होने का भाव 82) भूत, एक प्रकार की शराब 83) समारोह का भोज 86) दुर्घटना 87) चार धामों में से एक 90) बड़े या प्रतिष्ठित व्यक्ति की कृपा या संरक्षण 93) बधिक, लक्षणिक दृष्टि से निर्दयी 95) विष्णु 97) हस्त, हाथ 98) तारनेवाला 99) हार 100) पति, ईश्वर, स्वामी 101) मजबूर 103) बैल को गाड़ी में लगाना 104) स्वामी, रामायण में अंगद के पिता 107) एक उपदिशा 109) राजा की समा 111) बीस और तीस के बीच की एक संख्या 113) हुनर 114) नामांकन 115)

आर्द 116) बहुत से लोगों का मत 117) ध्वंस 118) धनवान Aij l ulp&1) चांद 2) पवनपुत्र 3) धन, अर्थ 4) मागा हुआ 5) जलाशय, सरोवर 6) झुका हुआ 7) ताश का एक खेल 9) पृथ्वी 10) संख्या, गिनती 11) हमेशा, सदैव 12) भा.ज.पा. का चुनाव चिन्ह 14) ऊपर से उठकर नीचे लाना 16) संजय दत्त की माता 17) दारासिंग की अभिनेत्री बहू 19) किस समय 21) हत्या, हनन 23) जिद्दी 24) नियुक्ती 25) अमिताभ बच्चन, सिता पाटील की एक फिल्म 26) बार, दफा, पद 28) छोट्टा 30) विष्णु का एक नाम 32) प्रणाम 34) पंजाब का एक शहर, उबारनेवाला 35) समाप्त करना, मार डालना इस अर्थ का एक मुहावरा 37) पानी 38) दफा 40) कुदृष्टि 41) आय 42) प्रसिद्धी, कीर्ती 44) कोचवान 46) धूल 47) रात बिताने का स्थल 49) रंग 50) लाल रंग लिये हुये 52) आवश्यकता 58) पराजय 59) शुश्रूषा 61) दौड़नेवाला 63) मारी 65) दरवाजे के चौखट के नीचे रखी जानेवाली लम्बी लकड़ी 68) समान 67) शक्तिशाली 70) बुढ़ापा 72) क्रोध से चेहरा लाल होना 73) मुसलमानों का एक त्योहार 75) बिना थकें, न थका हुआ 78) सब 80) वायुयान 82) पाकिस्तान के एक भूतपूर्व प्रमुख नेता 84) बुरी हालत 85) हिचकना, लज्जित होना, आगा पीछा करना 88) गणेशजी 89) जोरदार 91) जनानखाना 92) प्रत्येक 94) समूचा 96) साक्षी, स्थ वाहक 98) कपड़ा बुनने में लम्बाई और चौड़ाई के बल फैलाये गये धागे 102) लाज 105) अनुराग, प्रेम 106) मरीज 108) मृत्यू देवता 110) कथन, कहा गया शब्द या वाक्य 112) ईश्वर 113) अभाव (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ	प	मा	न	ज	न	क	क	न	क	ख	घ	व	घ	न	वा	न
श	श	फ	त	र	म	ता	रा	म	जं	जी	र	क	र	म	च	न्द
र	त	म	ख	म	ल	मा	न	सिं	ग	बा	म	ती	ना	नं	क	
फी	उ	स्त	र	हा	ल	त	ल	ह	र	ला	पु	ल	ट			
चं	प	क	मू	स	ल	मा	ह	ल	सिं	ने	मा	य	म	क		
स	द	मा	भा	न	चा	ना	ल	क	वा	त	ह	है	हा			
म	न	म	व	न	ना	ग	पं	च	मी	का	म	रु	प	ल	व	ण
झ	सा	ला	य	न	वा	घा	ल	नी	चो	ग	ह	ता	ह	त		
दा	दा	मा	ई	नौ	रो	जी	र	न	दू	बा	र	बा	र	र	गी	
र	र			ज	र	दा	न	र	ना	ह	ल	उ	दा	र	ता	
द	भो	पू		मि	त्र	ह	क	ज	बो	ब	दा	र				
सु	वा	स	र	ज	घा	नी	मु	म	ता	ज	म	ह	ल	स	सा	ह
स्त	धि	त	क	ब	श	प	श्रा	ल	ता	र	ब	र	र	ह	स्प	
म	नं	ह	र	वी	र	ता	ना	ना	व	च	ट	मं	ग	नी		
रा	ह	जी	ना		ज	का	त	दा	र	प	ह	ना	ना	ड	कु	
म	ज	ह	ब	न	र	क	जं	न	मं	ज	न	म	घ	ना	दे	श



खैरलांजी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बैल पोला पर्व..

जगप्रेरणा खैरलांजी।
प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी खैरलांजी में बैल पोला पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही किसानों एवं ग्रामीणों ने अपने बैल जोड़ों को नहलाकर, साफ-सफाई कर आकर्षक ढंग से सजाया।



इसके बाद ढोल-नगाड़ों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बैल जोड़ों को पटेल के बाड़े में एकत्रित किया गया।

इसके पश्चात सभी बैल जोड़ों को सामूहिक रूप से पोला स्थल पर ले जाया गया, जहाँ विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर बैलों की पूजा की गई। ग्रामीणों ने कृषि कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

उत्कृष्ट बैल जोड़ों को दिए गए पुरस्कार ग्राम पंचायत खैरलांजी की ओर से प्रतिवर्ष की जाने वाली पुरस्कार विरण की परंपरा इस वर्ष भी जारी रही। उत्कृष्ट रूप से सजाए गए बैल जोड़ों को प्रथम से पंचम स्थान तक पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि अन्य प्रतिभागी बैल



जोड़ों को साल्ना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागी:

- प्रथम: कार्तिक बहेटवार
- द्वितीय: प्रहलाद पताहे
- तृतीय: फ़दिस पताहे
- चतुर्थ: रूपेश शिवहरे
- पंचम: रामनाथ लिहारे

पोला पर्व के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस पारंपरिक पर्व में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। खैरलांजी में बैल पोला पर्व की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी ग्रामीण इसे पूरी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाते हैं।

बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच प्रतिनिधि भगतसिंह नगपुरे, सदराम लिहारे (पंच प्रतिनिधि), अनिल कृपगये (पंच), रामकुमार नगपुरे (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), मदनलाल बनोटे, राजकुमार बहेटवार, विनोद लिहारे, राजकुमार नगपुरे, शरद नगपुरे, कामता प्रसाद दमाहे, किरण लोधी, धनेन्द्र मस्करे, ज्ञानिराम लिहारे, सहसराम बहेटवार, सुरेश दमाहे, अजब सिंह कृपगये, कपिल मेश्राम (पंच), रामेश्वर लिहारे, दिनेश दमाहे, पितम दमाहे, गिरिश नगपुरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैल पोला पर्व किसानों, कृषि एवं ग्रामीण संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है, जो कृषि की खुशहाली, समृद्धि और पशुधन के प्रति सम्मान का संदेश देता है।

प्रतिभाओं का सम्मान, विद्यार्थियों को 100त तक छात्रवृत्ति का मौका

शांति कुंज ग्रुप ऑफ एजुकेशन का प्रतिभा सम्मान समारोह 13 सितंबर को, चार श्रेणियों में होगा सम्मान

जगप्रेरणा मंडला।
प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा, समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने के उद्देश्य से शांति कुंज बहुआयामी विकास सेवा समिति द्वारा संचालित शांति कुंज ग्रुप ऑफएजुकेशन का प्रतिभा

सम्मान समारोह 13 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में होगा। संस्था द्वारा लगातार तीसरे वर्ष यह आयोजन किया जा रहा है।

समारोह में चार श्रेणियों में प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। कक्षा 10वीं और 12वीं में अपने-अपने संकाय में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को छत्र प्रतिभा सम्मान के तहत प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्ति या संस्था को राजेश वर्मा स्मृति सम्मान, ज्योतिष एवं वास्तु के क्षेत्र में योगदान देने वाले विद्वान को प्रभुदयाल सम्मान तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्रदान किया जाएगा।

सामान्य ज्ञान टेस्ट से छात्रवृत्ति का अवसर

समारोह के साथ विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं स्कॉलरशिप टेस्ट भी आयोजित किया जाएगा। संस्था के अनुसार टेस्ट में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर शांति कुंज ग्रुप ऑफएजुकेशन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति दी जाएगी। गत वर्ष की गतिविधियों में शामिल होकर निर्धारित कार्य पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप टैबलेट भी प्रदान किए जाएंगे।

संस्था ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से

अधिक से अधिक संख्या में स्कॉलरशिप टेस्ट में शामिल होने की अपील की है। प्रतिभा सम्मान एवं स्कॉलरशिप टेस्ट के आवेदन फॉर्म संस्था कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। **WhatsApp** के माध्यम से भी फॉर्म मंगाए जा सकते हैं।

संपर्क/व्हाट्सएप : 9770184510, 9826120375, 9131952936
स्कॉलरशिप टेस्ट: 13 सितंबर 7 प्रातः 9 बजे
स्थान: नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर

संस्था सचिव ने बताया कि प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें उचित मंच देना संस्था की प्राथमिकता है। प्रतिभा सम्मान समारोह के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों के साथ समाजसेवा, शिक्षा, ज्योतिष एवं वास्तु के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। स्कॉलरशिप टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति का अवसर मिलेगा, ताकि आर्थिक परिस्थितियां उनकी शिक्षा में बाधा न बनें।

एसडीएम ने की टीकाकरण की अपील, कहा - 0 से 5 वर्ष के बच्चों को जरूर लगवाएं जीवन रक्षक टीके..



जगप्रेरणा कटंगी।

अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कटंगी विजय सिंह यादव ने अनुविभाग के सभी नागरिकों से अपील की है कि जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को जीवन रक्षक टीकाकरण के निर्धारित टीके अनिवार्य रूप से लगवाएं। एसडीएम ने कहा कि टीकाकरण से बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। इसके लिए नागरिक अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर इस सतत चलने वाले कार्यक्रम का लाभ लें। उन्होंने कहा कि सभी पालक अपने बच्चों को समय पर टीका लगवाकर स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

जन जागरूकता रथ से दी जा रही जानकारी

एसडीएम श्री यादव ने बताया कि यूनिसेफ के सहयोग से जन जागरूकता रथ का संचालन किया जा रहा है। यह रथ अनुविभाग के विभिन्न गांवों, कस्बों और वाडों में पहुंचकर नागरिकों को टीकाकरण के महत्व, टीकों के शेड्यूल और इससे होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दे रहा है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि जब जागरूकता रथ आपके क्षेत्र में पहुंचे तो उसके माध्यम से दी जा रही सूचनाओं को ध्यानपूर्वक सुनें, समझें और दूसरों को भी जागरूक करें। साथ ही टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध ज्ञान परंपराओं में से एक है, जिसने शिक्षा, दर्शन, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, प्रशासन, कला, संस्कृति और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन-दृष्टि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों से लेकर भारतीय दर्शन एवं चिंतन की विविध धाराओं तक इसकी व्यापकता और ऐतिहासिक वैभव दिखाई देता है।

यह परंपरा केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि तर्क, अनुभव, समग्रता और मानवीय मूल्यों पर आधारित ऐसी जीवन-दृष्टि है, जिसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

इसी ऐतिहासिक एवं समकालीन महत्व को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 10



सितंबर 2026 को 'भारतीय ज्ञान परंपरा : कुछ ऐतिहासिक संदर्भ' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

विषय विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. श्रीकांत पांडेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल प्राचीन ज्ञान का संग्रह नहीं है, बल्कि जीवन को समग्र, संतुलित और मानवीय दृष्टि से देखने वाली व्यापक परंपरा है। उन्होंने तक्षशिला, नालंदा एवं सारनाथ जैसे ऐतिहासिक

संदर्भों के माध्यम से भारतीय शिक्षा, ज्ञान, दर्शन, प्रशासन एवं संस्कृति की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी ज्ञान-विरासत के वैज्ञानिक, तार्किक एवं मानवीय पक्षों को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की।

विशिष्ट अतिथि सिवनी पी.जी. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. सतीश शिले ने भारतीय परंपरा में प्रकृति एवं पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पंचतत्व की अवधारणा को रेखांकित किया।

उन्होंने भारतीय चिंतन में प्रकृति के प्रति सम्मान और मानव जीवन के साथ उसके संतुलित संबंध की अवधारणा को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का आयोजन जिला नोडल अधिकारी डॉ. कचन मसराम के नेतृत्व एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रचना कोरी के संयोजन में किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुंदर बिसेन ने किया।

कटंगी में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश का न्यायालय प्रारंभ करने की मांग..

अधिवक्ता संघ करेगा 12 सितंबर की लोक अदालत का बहिष्कार



जगप्रेरणा कटंगी।
तहसील कटंगी स्थित व्यवहार न्यायालय में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) का न्यायालय प्रारंभ करने की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ कटंगी ने 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत से विरत रहने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में संघ द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि कटंगी तहसील में वर्ष 2008 से व्यवहार न्यायालय संचालित है। यहां सिविल प्रकृति के मामलों की सुनवाई होती है, लेकिन अपीलीय प्रकरण, हिंदू विधि से संबंधित प्रकरण और मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित मामलों की सुनवाई की व्यवस्था कटंगी में नहीं है। ऐसे प्रकरणों के लिए पक्षकारों और अधिवक्ताओं को वारासिक्नी न्यायालय जाना पड़ता है। पक्षकारों को इस कारण अतिरिक्त समय और खर्च वहन करना पड़ता है।

कई बार केवल पेशी के लिए ही पूरा दिन लग जाता है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष खड्गसिंह पटले, उपाध्यक्ष राजकुमार नंदगौरी, सचिव मो. अशफ़क़ खान, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रणिता भूरे, सहसचिव अमिता उड्के, ग्रंथपाल आकांक्षा मेश्राम सहित संघ के सदस्यों ने बताया कि

दूरस्थ न्यायालय में जाने से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले पक्षकारों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

संघ के अनुसार मध्यप्रदेश शासन द्वारा कटंगी तहसील के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश का पद स्वीकृत किया जा चुका है, लेकिन वर्तमान में उस न्यायालय को वारासिक्नी में संचालित किया जा रहा है। इस न्यायालय को कटंगी में ही प्रारंभ किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इस संबंध में भी प्रधान जिला न्यायाधीश बालाघाट और उच्च न्यायालय जबलपुर को ज्ञापन सौंपे गए हैं।

इसी विषय को लेकर अधिवक्ता संघ कटंगी की आवश्यक बैठक दिनांक 09 सितंबर 2026 को आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मांग के समर्थन में और न्यायालय प्रारंभ करने की मांग को रेखांकित करने के उद्देश्य से अधिवक्ता संघ के सदस्य दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में अपनी सहभागिता नहीं देंगे। अधिवक्ता संघ ने प्रधान जिला न्यायाधीश से निवेदन किया है कि जनहित को देखते हुए कटंगी व्यवहार न्यायालय में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय को शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि पक्षकारों को उनके तहसील मुख्यालय में ही न्याय सुलभ हो सके।



मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

10

शुक्रवार 11 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन

आमंत्रित है..

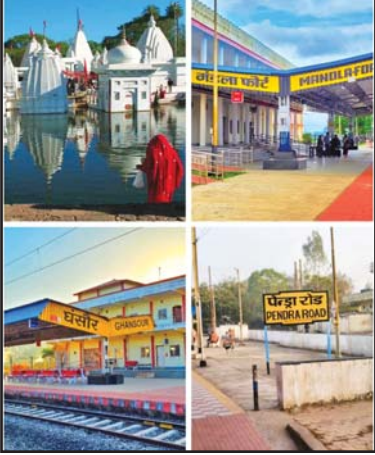
संपर्क - मो. 9329033433

मंडला-डिंडोरी-अमरकंटक रेल लाइन के सर्वे की मंजूरी का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड पहुंचा..

वर्षों पुरानी मांग ने पकड़ी रफ्तार, मंडला फोर्ट से डिंडोरी होते हुए अमरकंटक-पेंड्रा रोड तक रेल कनेक्टिविटी की उम्मीद बढी..

जगप्रेरणा मंडला।
आदिवासी अंचल मंडला और डिंडोरी को रेल नेटवर्क से जोड़ने की वर्षों पुरानी मांग को लेकर बड़ी प्रशासनिक प्रगति सामने आई है। मंडला फोर्ट से डिंडोरी होते हुए अमरकंटक-पेंड्रा रोड तक प्रस्तावित नई रेल लाइन के अंतिम स्थान सर्वेक्षण (FLS) की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर की ओर से 9 सितंबर 2026 को दिए गए जवाब में यह जानकारी सामने आई है।
रेलवे के जवाब के अनुसार श्रीधाम-जबलपुर-मंडला फोर्ट रेल लाइन पहले से संचालित है। इसके आगे मंडला फोर्ट से डिंडोरी होते हुए अमरकंटक-पेंड्रा रोड तक नई रेल लाइन के अंतिम स्थान सर्वेक्षण की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। ऐसे में अब इस प्रस्ताव पर रेलवे बोर्ड के निर्णय का इंतजार है।
पीएमओ और रेल मंत्रालय तक उठाया मुद्दा..

रेल कनेक्टिविटी की मांग को स्वतंत्र रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय और रेल मंत्रालय के समक्ष लगातार उठाया गया। उन्होंने प्रस्तावित रेल मार्ग के अंतिम सर्वेक्षण की स्वीकृति जल्द देने की मांग को लेकर संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी लगातार संवाद किया।
इससे पहले 6 अप्रैल 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से भी नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर को लेकर सोलंकी के प्रयास की सराहना की गई थी। उस समय रेलवे की ओर से उम्मीद जताई गई थी कि रेलवे बोर्ड



से अंतिम स्थान सर्वेक्षण की जल्द स्वीकृति मिल सकती है। अब करीब पांच महीने बाद 9 सितंबर को प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजे जाने की जानकारी सामने आने से इस दिशा में प्रक्रिया आगे बढ़ती नजर आ रही है।

विधायकों ने भी उठाई रेल कनेक्टिविटी की मांग..

मंडला फोर्ट से डिंडोरी और आगे अमरकंटक-पेंड्रा रोड तक रेल लाइन की मांग को लेकर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, गोटेगांव विधायक नागेश महेश और पुष्पाजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्कों के पत्रों का भी उल्लेख सामने आया है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा लंबे समय से इस रेल मार्ग को आदिवासी अंचल के विकास के लिए जरूरी बताया जाता रहा है।
406.2 किमी के नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर की परिकल्पना..
प्रस्तावित रेल कनेक्टिविटी को नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर की व्यापक परिकल्पना से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रस्तावित कॉरिडोर की लंबाई करीब 406.2 किलोमीटर बताई जाती है। इसमें पेंड्रा रोड, अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसीर, लखनादौन और श्रीधाम जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान में सामने आई रेलवे की जानकारी को पूरी 406.2



किलोमीटर रेल लाइन की मंजूरी नहीं माना जा सकता। फिलहाल अंतिम स्थान सर्वेक्षण की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजे जाने तक ही आधिकारिक प्रगति सामने आई है। रेल लाइन निर्माण के लिए इसके बाद सर्वे, तकनीकी परीक्षण, वित्तीय स्वीकृति और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होना जरूरी होंगी।

पर्यटन और रोजगार को मिल सकती है नई दिशा..

यदि यह रेल कनेक्टिविटी भविष्य में मूर्त रूप लेती है तो मंडला, डिंडोरी और अमरकंटक सहित आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अमरकंटक और कान्हा-किसली जैसे पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान होने से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आवागमन के क्षेत्र में भी इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना है। वर्तमान में इन क्षेत्रों में सड़क परिवहन पर अधिक निर्भरता है। रेल संपर्क बनने से लोगों को लंबी दूरी की यात्रा में वैकल्पिक और सुविधाजनक परिवहन साधन मिल सकेगा।

अब रेलवे बोर्ड के फैसले पर निगाह..

रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अब अगला महत्वपूर्ण पड़ाव अंतिम स्थान सर्वेक्षण की स्वीकृति है। स्वीकृति मिलने पर सर्वेक्षण और तकनीकी प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। इसके बाद ही परियोजना के निर्माण से जुड़ी वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृतियों का रास्ता खुलेगा। इसलिए फिलहाल इसे मंडला की रेल कनेक्टिविटी की दिशा में महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम माना जा रहा है, लेकिन इसे रेल लाइन निर्माण की अंतिम मंजूरी कहना जल्दबाजी होगी।

सोलंकी बोले- वर्षों की कोशिश का परिणाम..

स्वतंत्र रेल एक्टिविस्ट नितिन सोलंकी ने कहा कि मंडला-डिंडोरी-अमरकंटक क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया, प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्रालय और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लगातार आवाज उठाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि रेलवे द्वारा अंतिम स्थान सर्वेक्षण की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण पड़ाव है।
उन्होंने कहा कि अभी अंतिम मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन प्रस्ताव का रेलवे बोर्ड तक पहुंचना उम्मीद जगाने वाला कदम है। अब प्रयास रहेगा कि रेलवे बोर्ड से FLS की स्वीकृति मिले और सर्वेक्षण की प्रक्रिया जल्द शुरू हो।

समाजसेवी अखिलेश सोनी ने बताया विकास की नई नींव..

समाजसेवी अखिलेश सोनी ने कहा कि गौरैला-पेंड्रा-अमरकंटक-डिंडोरी-मंडला-घंसीर-गोटेगांव-नरसिंहपुर रेलमार्ग आदिवासी अंचल के विकास की नई नींव बन सकता है। इससे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और आवागमन को गति मिलेगी। उन्होंने रेलवे से सर्वे और निर्माण प्रक्रिया को जल्द आगे बढ़ाने की मांग की।

लोहान कृषि फार्म मार्ग पर फंसा बाँस से भरा ट्रक, घंटों तक रहा जाम..

300-400 मजदूरों को लौटना पड़ा, बदहाल सड़क से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने सड़क सुधार की मांग उठाई..

जगप्रेरणा मंडला/मोहगांव।
विकासखंड मोहगांव के लोहान कृषि फर्म-सिंगापुर मार्ग की बदहाली एक बार फिर सामने आई। गुरुवार को बालाघाट से लोहान कृषि फर्म के लिए बाँस लेकर जा रहा ट्रक सड़क पर कीचड़ और गड्ढों के बीच फंस गया। ट्रक फंसने से मार्ग पर घंटों आवागमन बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मजदूरों को लौटना पड़ा..

मार्ग बंद होने के कारण कृषि फार्म में काम करने जा रहे करीब 300 से 400 मजदूरों को वापस लौटना पड़ा। बताया गया कि कुछ मजदूरों को दूसरे कृषि फार्म में काम के लिए भेजा गया। इससे मजदूरों के रोजगार और रोजाना की मजदूरी पर भी असर पड़ा।

बाल-बाल बचा ट्रक चालक..

बदहाल सड़क पर ट्रक फंसने के दौरान चालक बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ट्रक पलट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क पर गहरे गड्ढे, कीचड़ और खराब रास्ते के कारण भारी वाहनों के साथ दोपहिया और छोटे वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।



रोज जोखिम उठाकर पहुंचते हैं मजदूर..

लोहान कृषि फार्म में काम करने वाले मजदूरों को रोज इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार बारिश के दौरान सड़क की स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है। कीचड़ व गड्ढों के कारण आए दिन वाहन फंसने की स्थिति बन रही है।

200 एकड़ के फार्म तक पहुंचना मुश्किल..

करीब 200 एकड़ में फैले कृषि फार्म में मंत्री से लेकर अधिकारी तक पहुंचते हैं, लेकिन फार्म तक पहुंचने वाले मार्ग की बदहाली पर अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से जल्द सड़क का सुधार कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते सड़क दुरुस्त नहीं की गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

लंबित मानदेय समेत मांगों के निराकरण के लिए अतिथि शिक्षकों ने फिर लिखा एसी को पत्र..

समय पर भुगतान, कटौती रोकने और अनुभव के आधार पर बोनस अंक देने की मांग..

जगप्रेरणा मंडला।

जिले के अतिथि शिक्षकों की लंबित मांगों और समस्याओं के निराकरण को लेकर अतिथि शिक्षक परिवार संगठन ने एक बार फिर सहायक आयुक्त को ध्यानकर्षण पत्र सौंपा है। संगठन की ओर से 10 सितंबर को दिए गए पत्र में महीनों से लंबित मानदेय के भुगतान सहित विभिन्न मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई है। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि इन समस्याओं को लेकर पूर्व में भी कई बार आवेदन, जापन और पत्राचार के माध्यम से अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है।

इसके बावजूद अब तक ठोस समाधान नहीं हो पाया है। संगठन के अनुसार, कई मामलों में केवल आश्वासन मिलने से अतिथि शिक्षकों में नाराजगी बनी हुई है।



ये हैं प्रमुख मांगें..

महीनों से लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए। मानदेय में किसी भी प्रकार की कटौती नहीं की जाए। प्रत्येक माह निर्धारित तिथि पर मानदेय भुगतान सुनिश्चित किया जाए। अतिथि शिक्षक भर्ती में पूर्व अनुभव के आधार पर बोनस अंक दिए जाएं। बाहर होते जा रहे अनुभवी अतिथि शिक्षकों का समायोजन किया जाए। जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार ने कहा कि अतिथि शिक्षक लंबे समय से अपनी समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहे हैं। यदि इन मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो संगठन आगामी रणनीति तय करने के लिए बाध्य होगा।

वृद्धाश्रम की जर्जर दीवारें बनीं बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए खतरा

जन उपयोगी लोक अदालत में आवेदन, भवन मरम्मत और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग..

जगप्रेरणा मंडला।

जिला मुख्यालय के रफटाघाट स्थित वृद्धाश्रम की बदहाल स्थिति को लेकर जन उपयोगी लोक अदालत में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदनकर्ताओं चन्द्रसूर नामदेव निवासी शारदा कॉलोनी और पीड़ी खैरवार निवासी बड़ी खैरी ने वृद्धाश्रम में व्याप्त समस्याओं को लेकर तत्काल सुधार की मांग उठाई है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि वृद्धाश्रम भवन की दीवारें और कर्श जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हैं। बारिश के दौरान दीवारों में सीलन और नमी आने से भवन की स्थिति और खराब हो रही है। ऐसे में यहां रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। आवेदनकर्ताओं के अनुसार वृद्धाश्रम में शौचालय और स्नानगृह की व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं हैं। कई जगह दरवाजे टूटे-फूटे होने की बात कही गई है। वहीं बुजुर्गों के लिए



टंड के मौसम में गर्म पानी की सुविधा भी पर्याप्त नहीं होने का आरोप लगाया गया है। आवेदन में गौजर की व्यवस्था किए जाने की मांग भी की गई है।
आवेदनकर्ताओं ने सामाजिक न्याय विभाग और संबंधित अधिकारियों से वृद्धाश्रम का निरीक्षण कराकर भवन की मरम्मत, शौचालय-स्नानगृह की व्यवस्था दुरुस्त करने तथा गर्म पानी सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि जन उपयोगी लोक अदालत में प्रस्तुत इस आवेदन के बाद संबंधित विभाग बुजुर्गों की समस्याओं को लेकर कितनी गंभीरता से कार्रवाई करता है। बुजुर्गों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मंडला की ऐतिहासिक पोला-पिटौरा परंपरा में दिखी लोक संस्कृति की अनूठी झलक..



गेंड़ी की शोभायात्रा से लेकर नर्मदा तट पर विसर्जन तक, वर्षों पुरानी परंपरा आज भी बरकरार..

जगप्रेरणा मंडला।
मध्यप्रदेश के आदिवासी एवं लोक संस्कृति से समृद्ध मंडला शहर में वर्षों पुरानी पोला-पिटौरा की परंपरा आज भी पूरे उत्साह, उमंग और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है।

शहर के श्री बजरंग व्यायाम शाला, पुराना अखाड़ा, बस स्टैंड रोड से इस परंपरा का आयोजन लंबे समय से किया जाता रहा है। आयोजन में शहरवासियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिलती है। पोला-पिटौरा पर्व के अवसर पर सुबह से ही शहर में उत्साह का माहौल नजर आता है। छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्ग तक इस पारंपरिक आयोजन में शामिल होते हैं। लोग पारंपरिक रूप से गेंड़ी तैयार कर उसे लेकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच निकलने वाली यह शोभायात्रा मंडला की गलियों और प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई रंगरेज घाट तक पहुंचती है। शोभायात्रा के दौरान लोगों में विशेष उत्साह दिखाई देता है। पारंपरिक वेशभूषा और स्थानीय संस्कृति से जुड़े रंग इस आयोजन को और खास बना देते हैं। रंगरेज घाट पहुंचने के बाद गेंड़ी का विधिवत विसर्जन किया जाता है। श्रद्धालु आस्था के साथ इस परंपरा को पूरा करते हैं और इसके बाद अपने घरों की ओर लौटते हैं।

दूसरे दिन मनाया जाता है वड़गा

पोला-पिटौरा परंपरा के दूसरे दिन को स्थानीय रूप से 'वड़गा' कहा जाता है। इस दिन खाप का विसर्जन किया

जाता है। इसके लिए लोग अपने-अपने घरों में पारंपरिक रूप से तैयार किए गए विभिन्न पकवान लेकर नर्मदा तट पर पहुंचते हैं। घर में बनाए गए गुजिया, सेव, खुरमी और अन्य पारंपरिक पकवान इस आयोजन का विशेष आकर्षण होते हैं। विसर्जन की धार्मिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर प्रसाद और पकवान ग्रहण करते हैं। इस दौरान सामाजिक मेल-मिलाप और आपसी भाईचारे का भी सुंदर दृश्य देखने को मिलता है।

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा..

स्थानीय लोगों के अनुसार, पोला-पिटौरा की यह परंपरा मंडला की पुरानी लोक संस्कृति और सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। समय के साथ आधुनिकता बढ़ने के बावजूद इस परंपरा को लोगों ने आज भी जीवित रखा है। खास बात यह है कि नई पीढ़ी के बच्चे और युवा भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। मंडला की पहचान केवल उसकी ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत से ही नहीं, बल्कि ऐसी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों से भी होती है। पोला-पिटौरा के दौरान होने वाली गेंड़ी शोभायात्रा, नर्मदा तट पर विसर्जन और परिवारों द्वारा तैयार किए जाने वाले पारंपरिक पकवान इस पर्व को विशिष्ट बनाते हैं।

यह आयोजन लोगों को अपनी जड़ों और पुरानी परंपराओं से जोड़ने का काम करता है। साथ ही, समाज में भाईचारे, आपसी प्रेम और सामूहिकता की भावना को मजबूत करता है। यही वजह है कि वर्षों पुरानी यह परंपरा आज भी मंडला शहर में उसी उत्साह और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। मंडला की यह ऐतिहासिक लोक परंपरा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने का संदेश देती है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 4,720 किलो महुआ लाहन नष्ट, 15 लीटर कच्ची शराब जब्त

बरबसपुर में 4 हजार किलो और रामबाग कछार टोला में 720 किलो लाहन मिला, शराब बनाने के अड्डे भी किए नष्ट..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले में अवैध कच्ची और जहरीली शराब के निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है।

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में 10 सितंबर को कोतवाली और महाराजपुर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 4,720 किलो महुआ लाहन नष्ट किया। वहीं 15 लीटर कच्ची शराब जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

बरबसपुर में 4 हजार किलो लाहन मिला..

कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बरबसपुर में तालाब और नदी के बीच झाड़ियों में अवैध



रूप से कच्ची शराब तैयार की जा रही है। पुलिस टीम ने मौके पर दबिशा दी। यहां 300 से 400 डिब्बों में करीब 4 हजार किलो महुआ लाहन भरा मिला। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर लाहन को मौके पर ही

नष्ट कर दिया।

रामबाग कछार टोला में दो अड्डों पर दबिशा..

इधर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव



कुमार वर्मा और एसडीओपी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में महाराजपुर पुलिस ने ग्राम रामबाग कछार टोला में नर्मदा नदी किनारे संचालित दो अवैध शराब निर्माण अड्डों पर कार्रवाई की। यहां 72 प्लास्टिक डिब्बों में

720 किलो महुआ लाहन मिला। शराब बनाने में इस्तेमाल बर्तन, चूल्हे और अन्य सामग्री को भी पुलिस ने मौके पर नष्ट कर दिया।

कार्रवाई में 15 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। जब्त शराब और नष्ट किए गए लाहन की अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपए बताई

गई है।

इनकी रही भूमिका..

कार्रवाई में एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना

प्रभारी शफ़ीक़ खान, महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, उपनिरीक्षक नागेन्द्र पटेल, राघवेंद्र ठाकुर, रूपराम झारिया, सर्जन नीरज मिश्रा, रमेश चंद्रपाल, प्रधान आरक्षक अमित गरयार, विजय तैकाम, शिवचरण बाकड़े, माखन बरकड़े, आरक्षक सुंदर भलावी, हरीदास बिंझिया सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में सलिस लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्व सेंटर

बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इक्वी टेस्ट टयुब बेबी (ICSI)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवुल इन्जेक्शन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- दूरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिट्ठणीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो.प्रणिता चिट्ठणीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गाणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा

Live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखादुर ● साकोली

पुराने ओवरब्रीज के नवनिर्माण का निरीक्षण कर सांसद राजेंद्र जैन ने शीघ्र कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया शहर के उत्तर दक्षिण भाग को जोड़ने वाला पुराना निर्माणाधीन रेलवे उड्डाणपुल का सांसद राजेंद्र जैन ने आज निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने सार्वजनिक बांधकाम विभाग के कार्यकारी अभियंता रामटेके एवं संबंधित अधिकारियों को उड्डाणपुल का निर्माण कार्य शीघ्रता शीघ्र पूर्ण कर आम जनता के आवागमन के लिए जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ही पालकमंत्री इंद्रनील नाईक के साथ सांसद जैन ने रेलटोली के आडिटोरियम में भेट देकर काम का जायजा लिया है और उसे भी जल्द पूरा करने के प्रयास किये जा रहे हैं। नागरीको द्वारा पुल और आडिटोरियम का काम जल्द पूरा होने की उम्मीद जलाई जा रही है।

लाईसेंस नवीनीकरण में शत प्रतिशत पेनाल्टी के नियम को शिथिल किया जाए..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिला व्यापारी फेडरेशन ने आज नगराध्यक्ष सचिन शेंडे को ज्ञापन सौंपकर नगर परिषद द्वारा लाइसेंस नवीनीकरण पर लिए जा रहे 100 प्रतिशत पेनाल्टी नियम को शिथिल करने की मांग की जिससे हजारों की संख्या में टैक्स भरने वाले व्यापारी भाड़्यों को राहत दी जा सके। इसके साथ ही गोंदिया के मुख्य बाजार क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमणधारकों की सुनियोजित व्यवस्था करने की मांग भी व्यापारी फेडरेशन ने की। नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे ने ध्यानपूर्वक सभी बातों को सुना एवं नगर परिषद के नियमों का अवलोकन कर सभागृह में प्रस्ताव रख सभी की मंजूरी लेकर इस नियम में राहत प्रदान करने का आश्वासन दिया है एवं अतिक्रमण धारकों के संबंध में भी ठोस कार्यवाही का भरोसा दिया है। इस अवसर पर गोंदिया नगर परिषद के उपाध्यक्ष संतोष पटले, नगर परिषद कांग्रेस गट नेता राकेश ठाकुर, पार्षद अजय अग्रवाल के साथ ही गोंदिया जिला व्यापारी फेडरेशन के अध्यक्ष किरनकुमार मूंदड़ा, महासचिव अपूर्व अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शंकर अग्रवाल, मार्गदर्शक दिनेश जयपुरिया, प्रचार प्रमुख अजय खंडेलवाल, सदस्य अजय दुबे, रमेश तेजवानी, कँवरभान अरोरा, सुजीत सिंघानिया एवं अन्य फेडरेशन पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला अर्बन को-ऑप. बैंक की 32 वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

जगप्रेरणा गोंदिया। दि महिला अर्बन को-ऑप. बैंक लिमिटेड, गोंदिया की 32 वीं वार्षिक आमसभा रविवार, 6 सितंबर 2026 को दोपहर 12.30 बजे स्वागत लॉन, गणेशनगर, गोंदिया में आयोजित की गई। सभा का शुभारंभ अध्यक्ष डॉ. माधुरी नासरे एवं संचालक मंडल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभा के प्रारंभ में बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन अध्यक्ष डॉ. माधुरी नासरे ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बैंक की विभिन्न गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी देते हुए ग्राहकों से अपने कर्ज की नियमित किस्तों का भुगतान करने तथा केवायसी नियमों का पालन करने का आग्रह किया। आमसभा में बड़ी संख्या में सभासद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संचालक मंडल की ओर से

12 शुक्रवार 11 सितम्बर 2026

जग प्रेरणा

Live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखादुर ● साकोली

जगप्रेरणा गोंदिया। आगामी 12 सितंबर को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रथम प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में आज 10 सितंबर की सुबह गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी मार्ग, जयस्तंभ चौक, गोंदिया से श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। पंज प्यारे एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन अगुवाई में निकाले गए नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में साथ-संगत एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। गुरबाणी कीर्तन एवं सतनाम वाहेगुरु के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नगर कीर्तन के दौरान संगत ने श्रद्धापूर्वक माथा टेककर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं में गुरुपर्व को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा दिखाई दी। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार प्रीत सिंह (काकू) गुलाटी एवं समूह समिति सदस्यों ने समूह साथ-संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रथम प्रकाश गुरुपर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समिति ने नगर कीर्तन में सहयोग एवं सहभागिता के लिए गुरु महाराज एवं समूह साथ-संगत का हृदय से धन्यवाद किया। समिति ने संगत से गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने तथा सेवा, सिमरन, मानवता और आपसी भाईचारे के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

गुरबाणी के जयकारों से गूंजा गोंदिया, प्रथम प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में निकला भव्य नगर कीर्तन

पंज प्यारे एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की अगुवाई में उमड़ा आस्था का सैलाब

जगप्रेरणा गोंदिया। आगामी 12 सितंबर को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रथम प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में आज 10 सितंबर की सुबह गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी मार्ग, जयस्तंभ चौक, गोंदिया से श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। पंज प्यारे एवं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन अगुवाई में निकाले गए नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में साथ-संगत एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। गुरबाणी कीर्तन एवं सतनाम वाहेगुरु के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नगर कीर्तन के दौरान संगत ने श्रद्धापूर्वक माथा टेककर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं में गुरुपर्व को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा दिखाई दी। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार प्रीत सिंह (काकू) गुलाटी एवं समूह समिति सदस्यों ने समूह साथ-संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रथम प्रकाश गुरुपर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समिति ने नगर कीर्तन में सहयोग एवं सहभागिता के लिए गुरु महाराज एवं समूह साथ-संगत का हृदय से धन्यवाद किया। समिति ने संगत से गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने तथा सेवा, सिमरन, मानवता और आपसी भाईचारे के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

गणेश विसर्जन के दौरान महत्वपूर्ण स्थानों पर बैरिकेड्स व विद्युत व्यवस्था की जाए..

जगप्रेरणा गोंदिया। जिले में 14 से 25 सितंबर 2026 तक गणेशोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान पांचवें दिन 18 सितंबर, सातवें दिन 20 सितंबर, आठवें दिन 21 सितंबर, नौवें दिन 22 सितंबर, दसवें दिन 23 सितंबर तथा अंन्तं चतुर्दशी के दिन 25 सितंबर को बड़ी संख्या में गणेश यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। गोंदिया शहर में छोटा गोंदिया तालाब, भीमघाट पांगोली नदी, पिंडकेपार नाला, शासकीय तालाब (रेलवे) तथा मुरी तालाब में विसर्जन किया जाएगा। वहीं गोंदिया ग्रामीण क्षेत्र में खमारी तालाब और टेमनी घाट (पांगोली नदी), रामनगर क्षेत्र में बांधतालाब सूर्याटोला, हिरवा गांव तालाब एवं टेमनी नदी घाट, तथा रावणवाड़ी क्षेत्र में कोरनी-रजेगांव नदी घाट प्रमुख विसर्जन स्थल हैं। इसके अलावा आमगांव क्षेत्र के संत तुकड़ोजी तालाब, गायत्री मंदिर तालाब एवं बाघ नदी घाट, गोरेगांव क्षेत्र के पवन तालाब एवं पांगोली नदी घाट, सालेकसा क्षेत्र के रोड़ा नाला एवं साखरीटोला गांव नाला, देवरी क्षेत्र के धुकेश्वरी मंदिर तालाब एवं गांव तालाब, तथा डुगीपार क्षेत्र के चुलबंद नदी घाट एवं गांव तालाब पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। अर्जुनी मोरगांव क्षेत्र में महगांव तालाब एवं अर्जुनी मोरगांव गांव तालाब, नवेगांवबांध क्षेत्र में

गोंदिया जिले को मिलेंगे 461 नए 'आपले सरकार सेवा केंद्र'

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले को आने वाले समय में 461 नए 'आपले सरकार सेवा केंद्र' मिलने जा रहे हैं। निवासी उपजिलाधिकारी भैय्यासाहेब बेहरे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 19 जनवरी 2018, 27 मार्च 2025, 2 जून 2026 तथा 9 जुलाई 2026 को जारी शासन निर्णयों के अनुरूप इन सेवा केंद्रों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिले में लंबे समय से कई 'आपले सरकार सेवा केंद्र' रिक्त होने के कारण नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब नए सेवा केंद्रों के शुरू होने से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को सरकारी सेवाएं अधिक तेजी, पारदर्शिता और आसानी से उपलब्ध होने में मदद मिलेगी। इन 461 नए सेवा केंद्रों के माध्यम से जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए स्वरोजगार का बड़ा अवसर भी उपलब्ध होगा। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से आवेदन मांगाए गए हैं। शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार आगे की चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नए सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपनये क्षेत्र में ही उपलब्ध होने की उम्मीद है।

- सूचना -

यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 98605 58902 पर संपर्क करें।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़े जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्सअप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

गोंदिया जिले में 14 से 25 सितंबर तक गणेशोत्सव..

उप जिलाधिकारी भैय्यासाहेब बेहरे ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्देश

नवेगांवबांध तालाब, तिरोड़ा क्षेत्र में शिंगाड़ा तालाब, काशीघाट (गराड़ाटोला), खामतालाब एवं गिरजाबाई स्कूल के समीप स्थित तालाब तथा गंगाझरी क्षेत्र के कवलेवाड़ा, पांगली, मुंडीपार एवं एकोडी तालाब पर भी विसर्जन की व्यवस्था की जाएगी। निवासी उप जिलाधिकारी भैय्यासाहेब बेहरे ने निर्देश दिए हैं कि सभी महत्वपूर्ण विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त विद्युत प्रकाश व्यवस्था एवं बैरिकेड्स लगाए जाएं। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन के लिए दिशा-सूचक एवं सूचना फलक लगाए जाएं। सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे एवं फ़ेन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

नवोदय विद्यालय की समस्याओं को लेकर अभिभावकों ने उठाई आवाज

शिक्षकों की कमी, छात्रावास, भोजन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल; उच्चस्तरीय जांच की मांग

जगप्रेरणा गोंदिया। जवाहर नवोदय विद्यालय, नवेगांव बांध में विद्यार्थियों को कथित रूप से हो रही विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने आवाज उठाई है। अभिभावकों ने 9 सितंबर को नवोदय विद्यालय समिति, जिला प्रशासन तथा संबंधित अधिकारियों को लिखित निवेदन सौंपकर तत्काल कार्रवाई और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय की समस्याओं को लेकर 8 अगस्त और 1 सितंबर को भी निवेदन दिया गया था। इसके अलावा विद्यालय प्रशासन को व्यक्तिगत रूप से समस्याओं की जानकारी दी गई, लेकिन अधिकांश शिकायतों का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ। अभिभावकों ने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा, सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। निवेदन में कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा